

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



मुलायम सिंह यादव की जयंती पर केक काटकर मनाया गया जन्मदिवस, पेज: 3

बैचलर पार्टी डी यू स मेंपेरिस लक्ष्मी की एंट्री पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 229 | सोमवार 23 नवंबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

कोटा में भीषण सड़क हादसा : 9 श्रद्धालुओं की मौत, 6 घायल

जयपुर, एजेंसी। कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे पर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 2:00 बजे एक भीषण सड़क हादसे में नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब महाराष्ट्र के एक ही परिवार के पंद्रह सदस्यों को लेकर जा रही एक तेज रफ्तार क्रूजर गाड़ी शंभूपुरा गांव के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। ये सभी श्रद्धालु राजस्थान में खाटू श्यामजी के दर्शन कर अपने घर लौट रहे थे।

दिल्ली से कश्मीर तक दवाओं की अवैध सप्लाई के अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़

- एनसीबी ने पांच लाख से ज्यादा की टैबलेट, कैप्सूल और दवाओं की बोतलें की बरामद

जम्मू, एजेंसी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) जम्मू जोनल यूनिट ने दिल्ली जोनल यूनिट के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए दिल्ली से कश्मीर घाटी तक फार्मास्युटिकल दवाओं की अवैध सप्लाई करने वाले अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच में दिल्ली के शाहदरा में एक गुप्त गोदाम से पांच लाख से ज्यादा टैबलेट, कैप्सूल और कई दवाओं की बोतलें बरामद की गई हैं। एनसीबी के मुताबिक विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर 16 नवंबर 2026 की तड़के जम्मू यूनिट ने उधमपुर जिले के चेनानी स्थित माडा टोल प्लाजा के पास श्रीनगर जा रही एक यात्री बस को रोककर तलाशी ली। इस दौरान डोडा जिले के भद्रवाह निवासी एक व्यक्ति से करीब 7 किलोग्राम कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया। इसके बाद मामला दर्ज किया गया। आगे की जांच में कश्मीर घाटी में कार्रवाई करते हुए अनंतनाग जिले के एक शख्स को पकड़ा, जिसे इस खेप का मुख्य प्राप्तकर्ता बताया जा रहा है। सप्लाई लिंक की जांच दिल्ली तक पहुंचने पर एनसीबी जम्मू और दिल्ली की संयुक्त टीम ने दिल्ली में इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को गिरफ्तार किया और 18 नवंबर को 356 बोतल कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया।



राम कथा सुन लौटे 500 से ज्यादा पाकिस्तानी हिंदू, विदाई के समय भावुक दिखे राजा भैया

- पीएम मोदी से भारतीय नागरिकता की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की मांग

प्रतापगढ़, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के कुंडा में तीन दिन तक श्रीराम कथा में शामिल होने के बाद पाकिस्तान से आए 500 से ज्यादा हिंदू शरणार्थी रविवार को वापस लौट गए। विदाई के दौरान माहौल भावुक हो गया। शरणार्थियों के साथ कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से आए ये लोग उनके लिए पराए नहीं, बल्कि अपने ही घर आए हैं।

कुंडा में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की श्रीराम कथा का आयोजन किया गया था। इसमें शामिल होने के लिए पाकिस्तान से 500 से ज्यादा हिंदू शरणार्थी पहुंचे थे। तीन दिनों तक इन परिवारों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था आयोजकों की ओर से की गई। इस दौरान उन्होंने कथा में हिस्सा लेने के साथ स्थानीय लोगों से मुलाकात की। रविवार को जब इन परिवारों की वापसी का समय आया तो कई लोग अपने मेजबानों से बिछड़ते समय भावुक नजर आए। महिलाएं और अन्य लोग स्थानीय लोगों से मिले अपनत्व को याद करते हुए भावुक हो गए। विदाई के समय राजा भैया भी वहां पहुंचे और शरणार्थियों से मुलाकात कर उनसे बातचीत की। इस दौरान वह भी भावुक नजर आए।

पाकिस्तान से आए परिवारों ने कहा, कुंडा में बिताए गए तीन दिन उनके लिए बेहद खास रहे। यहां उन्हें रहने और खाने की सुविधा मिली और श्रीराम कथा में शामिल होने का अवसर मिला। स्थानीय लोगों के व्यवहार और अपनत्व ने भी उन्हें प्रभावित किया। विदाई के दौरान इन परिवारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भारत की नागरिकता देने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की मांग भी की।

वीवीपी से बदली भारत-चीन सीमा के गांवों की तस्वीर, 40 गांवों में लौट रहे लोग : गृह मंत्री अमित शाह



नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि केंद्र के फ्लैगशिप वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (वीवीपी) के तहत बॉर्डर इलाकों में आधुनिक सुविधाओं के साथ विकास होने के बाद, चीन बॉर्डर से सटे अरुणाचल प्रदेश के 40 गांवों के लोग अपने घर लौट रहे हैं। अरुणाचल प्रदेश में 5,610 करोड़ रुपये से ज्यादा की चार बड़ी विकास परियोजनाओं को लॉन्च करते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने बॉर्डर के गांवों को देश का पहला गांव घोषित किया है और स्वास्थ्य, बिजली, शिक्षा और पीने के पानी की सप्लाई जैसी जरूरी सुविधाएं देकर उनका चौतरफा विकास कर रही है। गृह मंत्री शाह द्वारा शुरू की गई इन परियोजनाओं में ह्यमिशन शिक्षित अरुणाचल- फेज टू, विद्युत विकास परियोजना, ग्रामीण सड़क विकास के काम और 11 बॉर्डर जिलों में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत 199 परियोजनाएं शामिल हैं। गृह मंत्री ने कहा कि वीवीपी के जरिए सरकार का मकसद देश के सभी सीमावर्ती गांवों को विकसित करना और लोगों को बेहतर रोजी-रोटी के मौकों और सुविधाओं की तलाश में शहरी इलाकों में जाने से रोकना है। उन्होंने कहा, सीमावर्ती गांवों का विकास सरकार की प्राथमिकता है। अगर गांव वाले आर्थिक और दूसरे तरीकों से मजबूत होंगे, तो उनकी जीवन शैली बदलेगी और उनकी खुशी बढ़ेगी। गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय सेना और इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस (आईटीबीपी) के जवान सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों के कृषि उत्पादन को बढ़ाने और उनके स्थानीय तौर पर उगाए गए उत्पादों की मार्केटिंग में मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्जैसे-जैसे सेना और आईटीबीपी के जवान स्थानीय तौर पर उगाई गई फसलों और खाने की चीजों का इस्तेमाल कर रहे हैं, सीमावर्ती गांवों के साथ उनका

गृह मंत्री ने सरस मेले का उद्घाटन भी किया और ग्रामीण विकास को मजबूत करने और जरूरी सेवाओं तक पहुंच को बेहतर बनाने के मकसद से शुरू की गई पहलों के तहत एक

इमोशनल रिश्ता मजबूत होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोऑपरेटिव मूवमेंट अरुणाचल प्रदेश को दूध, अंडे, मछली और मांस के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाएगा, जिससे ग्रामीण और सीमावर्ती इलाकों के लोग आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि अगर वे काफी मात्रा में दूध का उत्पादन करते हैं, तो राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और अमूल उनका उत्पाद खरीदेंगे। गृह मंत्री ने घोषणा की कि एनडीडीबी की एक टीम जल्द ही अरुणाचल प्रदेश भेजी जाएगी, ताकि राज्य में दूध का उत्पादन बढ़ाने और डेयरी सेक्टर को मजबूत करने की सभी संभावनाओं का पता लगाया जा सके। शाह ने दावा किया कि केंद्र ने अरुणाचल प्रदेश के चौतरफा विकास के लिए चार गुना से ज्यादा पैसे दिए हैं। उन्होंने कोऑपरेटिव मूवमेंट में महिलाओं की भागीदारी के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि महिला सेल्फ-हेल्प ग्रुप (एसएचजी) कोऑपरेटिव सेक्टर को बढ़ाने और मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगे। अमित शाह ने कहा, महिला एसएचजी के जरिए, कोऑपरेटिव मूवमेंट न केवल बढ़ेगा और मजबूत होगा, बल्कि महिलाएं आर्थिक रूप से भी मजबूत होंगी। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश को ऑपरेशन विजन डॉक्यूमेंट 2047 का अनावरण किया और को ऑपरेटिव सेक्टर में योगदान को मान्यता देने के लिए

देश के कई राज्यों में बढ़ी ठंड, राजस्थान के 6 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे

मध्यप्रदेश के 12 जिलों में बारिश का अलर्ट, यूपी के 24 जिलों में छाया घना कोहरा

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली, राजस्थान समेत देश के कई राज्यों में ठंड बढ़ गई है। राजस्थान के 6 शहरों में शनिवार रात न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। फतेहपुर में सबसे कम 6.1 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। सीकर में 7.7, उदयपुर में 8.7 और चूरू में 9.5 डिग्री पारा दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार में चक्रवात 'अकवान' के चलते बारिश होने और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मौसम बदल गया है। मध्यप्रदेश के जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है। उज्जैन में ठंड के चलते आठवीं तक के स्कूलों का समय बदलकर सुबह 9 बजे के बाद कर दिया गया है। बिहार में रविवार सुबह नालंदा और भागलपुर में बारिश हुई। पिछले 24 घंटे में पटना समेत 9 जिलों में बारिश दर्ज की गई। यूपी के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। वहीं, झारखंड में खराब मौसम के कारण शनिवार को रांची एयरपोर्ट पर 20 फ्लाइट रद्द और चार को डायवर्ट किया गया।

सर्दी बढ़ने के साथ प्रदूषण का स्तर भी बढ़ रहा है। राजस्थान के बीकानेर में एक्यूआई 311, भिवाड़ी में 301 में दर्ज किया गया। दिल्ली की हवा की गुणवत्ता



शनिवार को भी 'खराब' बनी रही। एक्यूआई 265 दर्ज किया गया। दरअसल, सर्दी में हवा ठंडी और भारी होने लगती है, उसकी रफ्तार भी कम हो जाती है। इससे प्रदूषक कण जमीन के पास जमा होने लगते हैं। यही वजह है कि पंजाब, हरियाणा और उत्तरी राजस्थान में पराली जलाने से उठा धुआं पश्चिमी राजस्थान तक पहुंच रहा है।

रेगिस्तानी इलाकों में रात को तापमान तेजी से गिरता है। इससे थर्मल इन्वर्जन की स्थिति बन सकती है। इस दौरान प्रदूषक कण और धुआं ऊपर फैलने के बजाय निचली हवा में ही फंसे रहते हैं। हवा की ऊपरी परत गर्म होने से प्रदूषण को फैलने का रास्ता नहीं मिलता। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश से आ रही सर्द हवाओं से राजस्थान में ठंड बढ़ने लगी है।

चक्रवाती तूफान 'अकवान' और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मध्य प्रदेश में मौसम बदल गया है। जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है, जबकि भोपाल, इंदौर और उज्जैन में ठंड बढ़ गई है। रविवार को 12 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, शाजापुर में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। वहीं यूपी के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। संभल, मुजफ्फरनगर, देवरिया और बुलंदशहर समेत कई जिलों में विजिबिलिटी कम रही। ग्रामीण इलाकों में 10 मीटर दूर तक देखना मुश्किल हो गया। हरदोई में रात का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मुलायम सिंह की जयंती पर सपा दफ्तर में हुआ सुंदरकांड का पाठ

- अखिलेश बोले- सपा सरकार बनी तो बढ़ा देंगे यश भारती की सम्मान राशि

लखनऊ , एजेंसी। समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती पर रविवार को लखनऊ स्थित सपा कार्यालय में सुंदरकांड का पाठ किया गया। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस अवसर पर अपने पिता और पार्टी संस्थापक को याद करते हुए कहा कि नेताजी सबको साथ लेकर चलने का सिद्धांत देकर गए हैं और समाजवादी पार्टी इसे आगे बढ़ाती रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार बनी तो यश भारती की सम्मान राशि बढ़ाई जाएगी।

अखिलेश यादव ने कहा कि मुलायम सिंह यादव के पास जो भी मदद के लिए आया, उन्होंने उसकी सहायता की। उन्होंने कहा कि पार्टी पीडीए आंदोलन को आगे बढ़ाएगी और जो लोग रूठे हुए हैं, उन्हें मनाने का प्रयास करेगी। साथ ही जो लोग पार्टी से अलग हो गए हैं, उन्हें भी साथ लाने की कोशिश की जाएगी। अखिलेश यादव ने घोषणा की कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर यश भारती सम्मान की राशि बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी जाएगी। उन्होंने उन बच्चों के प्रति आभार जताया, जो समाजवादी पार्टी की सरकार में लैपटॉप मिलने की बात स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के दौरान केटीएमयू और राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट के डॉक्टरों को पीजीआई की तरह सुविधाएं देने का काम किया गया था।

इस अवसर पर अखिलेश ने मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार कम देगी और ज्यादा छीनेगी। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के हाथ में विकास की रेखा होती है, जबकि कुछ के हाथ में विनाश की।

सीएम योगी ने श्रद्धांजलि अर्पित की

मुलायम सिंह यादव की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। योगी ने उन्हें पूर्व रक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और पद्म विभूषण से सम्मानित नेता बताया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने भी उन्हें याद किया। गौरतलब है कि मुलायम सिंह यादव ने 1992 में समाजवादी पार्टी की स्थापना की थी। वह तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे और देश के रक्षा मंत्री भी रहे। उनका जन्म 22 नवंबर 1939 को इटावा के सैफई में हुआ था। 10 अक्टूबर 2022 को 82 वर्ष की उम्र में उनका निधन हुआ था।

जज की जगह ओवैसी को गार्ड ऑफ ऑनर, जांच के आदेश

- सहारनपुर में प्रोटोकॉल में बड़ी लापरवाही

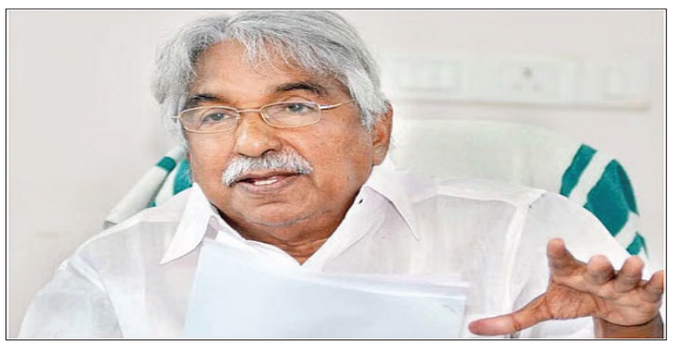
प्रतापगढ़, एजेंसी। सहारनपुर(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक अजीबोगरीब वाकया सामने आया है, जहाँ शनिवार को पुलिसकर्मियों ने एक न्यायाधीश को दिए जाने वाले गार्ड ऑफ ऑनर को गलती से एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी को दे दिया। इस गंभीर प्रोटोकॉल में लापरवाही के बाद, जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। एक पुलिस अधीक्षक को इस मामले की विस्तृत जांच सौंपी गई है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह गलती किन परिस्थितियों में और कैसे हुई। यह घटना सहारनपुर सर्किट हाउस में घटी, जब सांसद ओवैसी आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद के घर छुटमलपुर जाने से पहले वहां पहुंचे थे। पुलिस प्रोटोकॉल के तहत एक न्यायाधीश के आगमन की तैयारी चल रही थी, जिन्हें सहारनपुर के एक गांव में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना था। लेकिन न्यायाधीश के आने से पहले ओवैसी के पहुंचने पर, वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें आते ही औपचारिक सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दे दी, जिसे ओवैसी ने भी बड़े ही सहज भाव से पुलिसकर्मियों के सामने सावधान की मुद्रा में खड़े होकर स्वीकार कर लिया। हालांकि, सलामी के कुछ ही देर बाद पुलिसकर्मियों को अपनी गलती का अहसास हुआ। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अपनी सहारनपुर यात्रा के दौरान ओवैसी ने कई राजनीतिक मुद्दों पर भी बात की। उन्होंने सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में भाजपा सरकार पर कानून व्यवस्था को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून के बजाय बंदूक का राज चल रहा है। भाजपा की बी टीम होने के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के गठन की बात कही और दावा किया कि सपा-कांग्रेस गठबंधन भाजपा को हराने में सक्षम नहीं है। इसके बाद, ओवैसी ने छुटमलपुर में चंद्रशेखर आजाद के आवास पर भोजन किया और छत से समर्थकों को संबोधित किया। इस दौरान एआईएमआईएम, आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ जुटी रही। ओवैसी ने समर्थकों से पूछा कि क्या वे चंद्रशेखर को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं, जिस पर भारी भीड़ ने नारेबाजी कर समर्थन जताया।

गलती सुधार कांग्रेस में वापसी करने वालों का हो स्वागत: चांडी ओमन

कांग्रेस विधायक बोले- पार्टी छोड़कर भाजपा में गए कई लोग वापस आना चाहते हैं, सभी के लिए समान नियम हों

तिरुवनंतपुरम , एजेंसी । कांग्रेस विधायक चांडी ओमन ने रविवार को कहा कि अपनी गलतियां सुधारकर पार्टी में लौटने के इच्छुक सभी लोगों का स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी में वापसी के लिए किसी एक व्यक्ति के लिए अलग नियम नहीं होना चाहिए। उनका यह बयान पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरण की बेटी और स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन की बहन पद्मजा वेणुगोपाल के कांग्रेस में लौटने की इच्छा जताने के सवाल पर आया।

पद्मजा वेणुगोपाल ने हाल ही में भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा देकर कांग्रेस में वापस आने की इच्छा जाहिर की है। इसी मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए चांडी ओमन ने कहा कि जो लोग अपनी



गलतियों को सुधारकर कांग्रेस में लौटना चाहते हैं, उन्हें मौका मिलना चाहिए। चांडी ओमन ने कहा कि यह अवसर केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में गए सभी लोगों के लिए समान नियम होने चाहिए। उन्होंने कहा कि गलतियों को सुधारने के बाद कोई भी कांग्रेस में वापस आ सकता है और पार्टी को ऐसे लोगों का स्वागत करना चाहिए।

कांग्रेस विधायक ने दावा किया कि भाजपा में शामिल होने वाले कई अन्य लोग भी अब पार्टी में वापस लौटने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन लोगों को भाजपा में वहां की स्थिति का एहसास हो गया होगा और इसी वजह से वे कांग्रेस में लौटने का फैसला कर रहे हैं। चांडी ओमन ने कहा कि कांग्रेस में लौटने वाले लोगों को अगले पांच साल तक पार्टी के लिए काम करने का अवसर दिया जाना चाहिए। उनके मुताबिक पार्टी में वापसी करने वालों को संगठन को मजबूत करने में योगदान देना चाहिए।

नीतीश सेतु का उद्घाटन होते ही राजद कार्यकर्ताओं ने किया जमकर हंगामा

- बीजेपी के पोस्टर-बैनर फाड़े, तेजस्वी और लालू यादव जिंदाबाद के लगाए नारे

वैशाली, एजेंसी । बिहार के वैशाली में नीतीश सेतु का उद्घाटन होते ही राजद कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। पीएम मोदी और अन्य अतिथियों के लौटते ही कार्यकर्ताओं ने पुल पर बवाल मचा दिया। राजद कार्यकर्ताओं ने नीतीश सेतु और बीजेपी के पोस्टर-बैनर फाड़े और प्रदर्शन किया। शनिवार को राजद नेता तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी पर निशाना साधा था। वीडियो में राजद के कार्यकर्ता तेजस्वी यादव जिंदाबाद और लालू यादव जिंदाबाद के नारे लगाते नजर आ रहे हैं। नीतीश सेतु पर आरजेडी कार्यकर्ताओं ने पार्टी के झंडे भी लहराए। वीडियो में आरजेडी कार्यकर्ता बीजेपी के झंडों को कुचलते हुए नजर आ रहे हैं। शनिवार को पीएम मोदी के रवाना होते ही पुल को जनता के लिए खोल दिया गया था, जैसे ही पुल खोला गया, राजद कार्यकर्ताओं ने नीतीश सेतु पर पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। नीतीश सेतु को लेकर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भी बीजेपी पर निशाना साधा। तेजस्वी ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि इस पुल का नाम सिख धर्म के दसवें गुरु और खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोबिंद सिंह महाराज के नाम पर रखा जाना चाहिए था लेकिन बीजेपी सरकार ने राजनीति के चलते ऐसा नहीं होने दिया। तेजस्वी ने इसे बीजेपी की संकीर्ण सोच बताया। इस मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी भी हमलावर है। पंजाब सरकार में मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि अगर बिहार सरकार नीतीश कुमार को सम्मान देना चाहती है तो इसके लिए दूसरे तरीके भी हो सकते थे।

भारत-चीन के बीच टकराव को कम करने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा, कमांडर स्तर की 10 दिन तक चलीं बैठकें

नई दिल्ली , एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश से सटी सीमा पर कड़ाके की ठंड की शुरुआत से ठीक पहले भारत और चीन के बीच दूसरे दौर की कोर कमांडर स्तर की सैन्य वार्ता पूरी हो गई है। दिवाली के बाद 8 नवंबर को शुरू हुई यह बेहद गोपनीय बातचीत करीब दस दिनों तक चली। इसका मुख्य उद्देश्य सीमा पर बढ़ते तनाव को कम करना और दोनों देशों के बीच संवाद के रास्ते खुले रखना था। इस वार्ता में भारतीय पक्ष का नेतृत्व सेना की तीसरी कोर (स्पीयर कोर) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया ने किया। इस कोर का मुख्यालय नागालैंड के दीमापुर के पास रंगापहाड़ में है। उनके साथ चीनी सेना के प्रतिनिधिमंडल के अलावा भारत सरकार के विदेश मंत्रालय का एक प्रतिनिधि भी शामिल रहा।

सूत्रों के मुताबिक, बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच संपर्क के नियम तय करना था। इसके अलावा, सीमा के पास सैनिकों के आमने-सामने आने से होने वाले टकराव को टालना भी महत्वपूर्ण था। इस क्षेत्र में दोनों देशों ने बड़ी संख्या में सैनिक तैनात कर रखे हैं। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि जिन बातों पर सहमति बनी है उन्हें भीषण सर्दी शुरू होने से पहले जमीन पर लागू किया जा सकेगा या नहीं, क्योंकि इस दौरान वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों के लिए रसद पहुंचाना बेहद कठिन हो जाता है। पूर्वी सेक्टर में भारत और चीन के बीच पहले दौर की कोर कमांडर स्तर की वार्ता इसी साल 6 और 7 सितंबर को वाचा-दमाई बॉर्डर मीटिंग पॉइंट पर हुई थी। किबिथू सेक्टर में स्थित वाचा भारत का सबसे पूर्वी सीमा पर मीटिंग पॉइंट है। यह बैठक ऊपरी सुबनसिरी जिले के ताकसिंग इलाके में तनाव की खबरों के बाद बुलाई गई थी। इससे पहले अगस्त में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने बीजिंग में सीमा विवाद को लेकर विशेष प्रतिनिधियों की बैठक की थी। सीमा पर विवाद का एक बड़ा कारण 1914 में ब्रिटिश भारत और तिब्बत के बीच तय हुई मैकमोहन रेखा को चीन द्वारा मान्यता न देना है। अक्टूबर में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा था कि अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों पर भारतीय और चीनी सैनिकों का आमना-सामना हुआ है। इस पर विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि जब चीनी सैनिक तय गश्त के नियमों से भटकते हैं तो एलएसी पर स्थिति समय-समय पर बिगड़ जाती है। मंत्रालय ने यह भी दोहराया कि द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए सीमावर्ती इलाकों में शांति और स्थिरता बनाए रखना जरूरी है।



संपादकीय

ये दस्तूर बिगड़ा है

विधानसभा के तपोवन सदन में कई सवाल और आक्रोश की घंटियां बज रही हैं और इन्हीं से निकलता राजनीतिक चरित्र भी देख जा सकता है। केवल जल शक्ति विभाग के डाक बंगलों की कलगी पर सतपाल सत्ती के प्रश्न ने बता दिया कि 90 रेस्ट हाउसों की मिट्टी कितनी नुकसानदेह है। यानी डाक बंगलों ने तीन सालों में 1.68 आय बटोर ली, लेकिन व्यय कर दिए तीन करोड़ 70 लाख। अगर इसी अनुपात में सभी विभागों के डाक बंगलों की समीक्षा की जाए, तो घाटे के आतिथ्य में हम करोड़ों गंवा रहे हैं। हिमाचल का दस्तूर इतना बिगड़ चुका है कि सदन में बहस यह नहीं कि एक लाख करोड़ की उधारी कैसे खड़ी हुई या हम इस दलदल से बाहर कैसे निकलेंगे। प्रदेश की बौद्धिक क्षमता में तर्क यह नहीं कि सुशासित राज्य की तस्वीर में नागरिक समाज की तरक्की कैसे होगी। हिमाचल की आय के स्रोत नागरिक समाज से अगर आते भी हैं, तो उसके द्वारा किए गए मदिरा सेवन की तारीफ होती है। इस बार तपोवन सदन में ढोल इस कद्र पीटे जा रहे हैं कि हम सुबह, दोपहर, शाम कुछ राजनीति क्षत्रपों का हुंकारा देख सकते हैं। इनकी लंबाई मापने के लिए फिर जिलों के विभाजन का प्रश्न धौलाधार की सूखी पहाडि़यों से मुखातिब है। भले ही कांगड़ा जिला का कोई भी नेता अपने विधानसभा क्षेत्र के बाहर स्वीकार्य न हो, लेकिन तुर्रा यह कि उसकी हद में नए जिला का मुख्यालय बन जाए। आशीष बुटेल को पालमपुर, तो यादविंदर गोमा को भी एक अदद जिला चाहिए। वहम की दुकानदारी मंडी और शिमला के वर्चस्व में कीलें बेच रही है, तो हजारों सवालों पर यह प्रश्न भारी है कि नए जिलों के आधार पर सियासी चोंच लंबी नजर आएगी। कुछ हारे और नकारे नेताओं के लिए भी यह एक अवसर है जबकि इस बहाने कमजोर सियासत का लाव लश्कर जिलों के गठन में मसरूफ हो जाएगा। ऐसे में सोचना यह भी होगा कि हिमाचल के मसलों पर हमारी दृष्टि भी संकीर्ण है या एक विशेष प्रकार का तुष्टिकरण यहां ईजाद हो चुका है। हमारी बजटीय व्यवस्था भले ही खोखली हो, लेकिन वित्तीय प्रबंधन पर कोई विशेष उपचार नहीं। नए जिलों का गठन का एक व्यावहारिक पक्ष हो सकता है, लेकिन इनकी बुनियाद पर खेल रही राजनीति वर्षों से प्रयासरत है। पिछले कुछ सालों से बड़े जिलों के बजाय छोटे जिलों की सियासत प्रभावी रही, तो मानना पड़ेगा कि प्रदेश में नए क्षत्रप इस महत्त्वाकांक्षा में जी रहे हैं। कायदे से अगर पुनर्गठन करते हुए सियासी, भौगोलिक और सांस्कृतिक समानता विकसित करनी हो तो किन्नौर और लाहुल-स्पीति जिलों की एक-एक सीट के अलावा राज्य में ग्यारह अन्य जिले छह-छह विधानसभा क्षेत्रों तक सीमित करने होंगे। इस तरह प्रदेश में कुल तेरह जिले हो जाएंगे। इस फार्मूले से मंडी में कांगड़ा का कुछ भाग जा सकता है ताकि वहां दो जिले बनें, जबकि कांगड़ा की आबरू से एक और जिला बन सकता है। बिलासपुर और कुल्लू जिला इस तरह मौजूदा चार विधानसभा क्षेत्रों से बढ़ कर छह क्षेत्रों के हो जाएंगे।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक हो

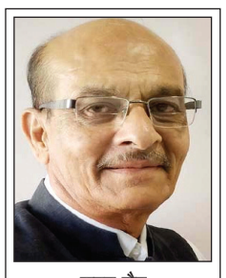
उपाय सम्यप् होना चाहिए। उपाय का बड़ा महत्व होता है। जहां समस्या आती है, आदमी उपाय खोजता है। समाधान तब तक नहीं होता, जब तक उपाय नहीं मिल जाए। उपाय स्वयं भी खोजा जा सकता है और उपाय खोजने के लिए गुरू की शरण या उस विषय को जानने वाले व्यक्ति की शरण भी ली जा सकती है। कोई संन्यासी था। भीड़ बहुत होती। सभी संन्यासी अपरिग्रही नहीं होते। कुछ संन्यासी बहुत परिग्रह भी रखते हैं। यह अपनी-अपनी परम्परा है। बड़ा आश्रम था। बहुत धन और बहुत लोगों की भीड़। वह परेशान हो गया। गुरू के पास जाकर बोला, गुरूदेव! और तो सब ठीक है, पर एक बड़ी समस्या है। भीड़ बहुत हो जाती है, इतने लोग आते हैं कि मैं अपनी साधना पूरी तरह नहीं कर पाता, समय नहीं मिलता। रात-दिन चप्र-सा चलता है। गुरू ने कहा, तुम एक काम करो, गरीब लोग आएं तो उनको कर्ज देना शुरू कर दो और जो धनवान लोग आएं। तो उनसे मांगना शुरू कर दो। उपाय हाथ में लग गया। उसने प्रयोग करना शुरू कर दिया-जो निर्धन आते, उन्हें कर्ज देना शुरू किया और धनी आते उनसे धन मांगना शुरू किया। पांच-दस दिन में भीड़ बिल्कुल छंट गई। क्योंकि जिन्होंने कर्ज लिया वे वापस किसलिए आते? सामने आना नहीं चाहते थे, क्योंकि वापस तो देना नहीं था- धनियों से मांगना शुरू किया तो उन लोगों ने सोचा कि अब तो जाना ठीक नहीं है। जाते ही पहले यह होगा कि लाओ-लाओ। भीड़ कम हो गई। उपाय ठीक मिलता है तो दोनों बातें हो जाती हैं। हमारे हाथ उपाय लगना चाहिए।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

चीन-पाकिस्तान गठजोड़: भारत की सुरक्षा के लिए सामने नई चुनौती



सनत जैन

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने चीन और पाकिस्तान का बढ़ता सैन्य एवं रणनीतिक गठजोड़ एक गंभीर चुनौती के रूप में उभर रहा है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य संबंध रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में इन संबंधों का दायरा जिस तेजी से बढ़ा है, उसने दक्षिण एशिया के सामरिक समीकरणों को प्रभावित किया है। अब यह गठजोड़ केवल भारत-पाकिस्तान सीमा तक सीमित नहीं है। बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र और व्यापक अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भी इसके प्रभाव दिखाई देने लगे हैं। चीन और पाकिस्तान की नजदीकी का सबसे महत्वपूर्ण पहलू सैन्य सहयोग है। पाकिस्तान अपनी रक्षा जरूरतों के लिए चीन पर काफी हद तक निर्भर है। लड़ाकू विमानों, मिसाइल प्रणालियों, नौसैनिक उपकरणों और रक्षा तकनीक के क्षेत्र में चीन की सरकार, भारत पर दबाव बढ़ाने के लिए पाकिस्तान की मदद कर रहा है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास और रक्षा उत्पादन से जुड़े समझौते भी इस सहयोग को मजबूत कर रहे हैं। इससे पाकिस्तान की सैन्य क्षमताओं में बड़ा बदलाव आया है। भारत के लिए अब अपनी सुरक्षा, व्यापारिक एवं भौगोलिक रणनीति की समीक्षा करना आवश्यक हो गया है। इस गठजोड़ की दूसरी महत्वपूर्ण कड़ी हिंद महासागर है। भारत के लिए हिंद महासागर केवल समुद्री व्यापार का मार्ग नहीं, बल्कि उसकी ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक गतिविधियों और सामरिक हितों का आधार भी है। चीन पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के माध्यम से अरब सागर में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। चीन की समुद्री गतिविधियों और क्षेत्रीय बंदरगाहों में बढ़ते निवेश को भारत के रणनीतिक हितों के संदर्भ में देखा जाना जरूरी है।

इस पूरे घटनाक्रम को केवल सैन्य खतरे के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। चीन भारत की आर्थिक निर्भरता को भी अपनी रणनीति का हिस्सा बना रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयों, बैटरी और औद्योगिक उत्पादन से जुड़े कई क्षेत्रों में भारत की चीनी आयात पर निर्भरता एक बड़ी चुनौती है। अमेरिकी आयोग की नवंबर 2026 की रिपोर्ट ने भी इस निर्भरता को भारत की आर्थिक और सामरिक कमजोरियों में शामिल किया है। सवाल यह है कि भारत इस बदलते परिदृश्य में अपनी स्थिति कैसे मजबूत करेगा? क्या केवल अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने से चीन और पाकिस्तान की चुनौती का मुकाबला किया जा सकता है? इसका जवाब है, भारत को अपनी स्वतंत्र सामरिक क्षमता विकसित करनी होगी। रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता, आधुनिक तकनीक, साइबर सुरक्षा, खुफिया तंत्र और नौसेना की ताकत बढ़ाना समय की मांग है। जापान, फ्रांस, अमेरिका और अन्य मित्र देशों के साथ सहयोग और रिश्तो को मजबूत करना होगा। भारत को यह भी समझना होगा, अंतर्राष्ट्रीय संबंध स्थायी मित्रता से अधिक राष्ट्रीय हितों पर आधारित होते हैं। इसलिए किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता भारत के दीर्घकालिक हितों को बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है। चीन के साथ बातचीत के रास्ते खुले रखने के साथ सीमा सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों पर किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। भारत इस मामले में अभी अलग-थलग पड़ गया है।

वास्तविक चुनौती चीन या पाकिस्तान के गठजोड़ से भयभीत होने की नहीं, बल्कि उसके मुकाबले अपनी आर्थिक, तकनीकी, कूटनीतिक और सैन्य शक्ति को मजबूत करने की है। भारत के पास विशाल बाजार, युवा आबादी, मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाएं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती भूमिका की महत्वपूर्ण क्षमताएं हैं। जरूरत इन क्षमताओं को ठोस राष्ट्रीय शक्ति में बदलने की जरूरत है। आखिरकार, भारत की सुरक्षा केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों और हथियारों से सुनिश्चित नहीं होगी। मजबूत अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग, समुद्री शक्ति और दूरदर्शी विदेश नीति भी उतनी ही जरूरी हैं। पड़ोसी देशों के साथ अपने रिश्तों को भी भारत को बेहतर बनाना होगा। चीन-पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकी भारत के लिए एक रणनीतिक चेतावनी है। इस चेतावनी को गंभीरता से लेते हुये भारत को अपनी विदेश नीति एवं दीर्घकालिक रणनीति को तैयार करना होगा। समय रहते यदि यह बदलाव नहीं किया गया तो आगे आने वाले सालों में भारत को काफी बड़ा नुकसान हर स्तर पर हो सकता है।

कौशल विकास से ही साकार होगा विकसित भारत का सपना



सौरभ वार्ष्णेय

भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है, जहां युवाओं की बड़ी आबादी देश की सबसे महत्वपूर्ण ताकत मानी जाती है। लेकिन केवल युवा आबादी होने से कोई राष्ट्र विकसित नहीं बन सकता। इसके लिए जरूरी है कि युवाओं को शिक्षित करने के साथ-साथ उन्हें रोजगार के योग्य बनाया जाए और उनकी प्रतिभा को सही दिशा में विकसित किया जाए। आज जब दुनिया तेजी से तकनीकी बदलावों के दौर से गुजर रही है, तब कौशल विकास किसी भी देश की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विस्तार और आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित पांचवें कौशल दीक्षांत समारोह में इसी विषय को केंद्र में रखते हुए कहा कि 21वीं सदी का भारत कौशल को सम्मान देकर ही आगे बढ़ सकता है। उनका यह संदेश केवल आईटीआई से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं के लिए नहीं, बल्कि देश की पूरी शिक्षा और रोजगार व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है।

भारत में कौशल और कारीगरी की परंपरा सदियों पुरानी रही है। लखनऊ की चिकनकारी, बनारस की रेशमी साडिय़ां, कश्मीर की पश्मीना, कांजीवरम सिल्क, मलमल, कलमकारी और धातु शिल्प जैसे पारंपरिक हुनर भारतीय संस्कृति और आर्थिक समृद्धि की पहचान रहे हैं। भारतीय कारीगरों की दक्षता का लोहा दुनिया मानती रही है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में गुजरात की वसावाया परंपरा का उल्लेख करते हुए बताया कि पुराने समय में गांव बसाने के साथ ही वहां जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले कुशल कारीगरों को भी बसाया जाता था। इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय समाज में कौशल और श्रम का महत्व कितना व्यापक था। लेकिन समय के साथ कौशल आधारित व्यवसायों की सामाजिक प्रतिष्ठा कम होती गई और डिग्री आधारित शिक्षा को सफलता का प्रमुख पैमाना मान लिया गया।

औपनिवेशिक शासन के दौरान विकसित हुई शिक्षा व्यवस्था ने भी इस मानसिकता को बढ़ावा दिया। व्यावहारिक ज्ञान और कारीगरी की अपेक्षा कार्यालयों में काम करने वाले कर्मचारियों को अधिक महत्व दिया जाने लगा। स्वतंत्रता के बाद भी लंबे समय तक इस सोच में अपेक्षित बदलाव नहीं आया। परिणामस्वरूप युवाओं में सामान्य डिग्री हासिल करने और सरकारी नौकरी पाने की प्रतिस्पर्धा बढ़ती गई, जबकि तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा को अपेक्षित महत्व नहीं मिल पाया। आज स्थिति यह है कि एक तरफ शिक्षित युवा रोजगार की तलाश में भटकते हैं और दूसरी तरफ उद्योगों को योग्य तकनीकी कर्मचारियों की कमी का सामना करना पड़ता है। यह विरोधाभास बताता है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था और रोजगार बाजार के बीच अभी भी बेहतर तालमेल की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री ने आईटीआई के विस्तार और कौशल प्रशिक्षण को आधुनिक बनाने के प्रयासों का उल्लेख किया। उनके अनुसार, पिछले एक दशक में लगभग पांच हजार नए आईटीआई स्थापित किए गए हैं और प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या में पांच लाख से अधिक की वृद्धि हुई है। विशेष रूप से लड़कियों की भागीदारी में ढाई गुना से अधिक वृद्धि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति को दर्शाती है। यह सकारात्मक बदलाव है, क्योंकि देश के औद्योगिक और तकनीकी विकास में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना समय की जरूरत है।

आज रोजगार का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, ड्रोन तकनीक, ग्रीन हाइड्रोजन, औद्योगिक रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्र भविष्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रहे हैं। ऐसे में आईटीआई के पाठ्यक्रमों में इन आधुनिक ट्रेडों को शामिल करना महत्वपूर्ण कदम है। अब तकनीकी प्रशिक्षण केवल पारंपरिक मशीनों के संचालन तक सीमित नहीं रह सकता। युवाओं को नई तकनीकों के इस्तेमाल, उनकी मरम्मत, रखरखाव और विकास से जुड़ा ज्ञान भी देना होगा। प्रधानमंत्री ने पीएम-सेतु योजना के तहत 60 हजार करोड़ रुपये के निवेश का उल्लेख करते हुए प्रशिक्षण संस्थानों को आधुनिक बनाने और उद्योगों से जोडऩे की आवश्यकता पर बल दिया है।

हालांकि, कौशल विकास की सफलता केवल नए संस्थान खोलने और नए पाठ्यक्रम शुरू करने से सुनिश्चित नहीं होगी। इसके लिए प्रशिक्षण की गुणवत्ता, आधुनिक प्रयोगशालाएं, योग्य प्रशिक्षक और उद्योगों के साथ व्यावहारिक तालमेल भी जरूरी है। आईटीआई से निकलने वाले युवाओं को वास्तविक औद्योगिक परिस्थितियों में काम करने का अनुभव मिलना चाहिए। अप्रेंटिसशिप और उद्योग आधारित प्रशिक्षण को बढ़ावा देना होगा, ताकि प्रशिक्षण पूरा करने के बाद युवाओं को रोजगार के लिए भटकना न पड़े। साथ ही समय-समय पर पाठ्यक्रमों की समीक्षा करके उन्हें बाजार की जरूरतों के अनुरूप बनाना भी आवश्यक है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन के बढ़ते प्रभाव को लेकर युवाओं में रोजगार समाप्त होने की आशंकाएं भी दिखाई देती हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि नई तकनीक कई पारंपरिक कार्यों का स्वरूप बदल रही है, लेकिन इसके साथ नए व्यवसाय और रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कोविड महामारी का उदाहरण देते हुए बताया कि संकट के समय कुशल श्रमिकों ने महत्वपूर्ण सेवाओं को जारी रखने में बड़ी भूमिका निभाई थी। उनका यह संदेश कि हुनरमंद व्यक्ति के लिए अवसरों की कमी नहीं होती, युवाओं को लगातार सीखने और अपनी दक्षता बढ़ाने की प्रेरणा देता है। आने वाले समय में वही युवा आगे बढ़ सकेंगे, जो तकनीकी बदलावों के अनुरूप स्वयं को तैयार रखेंगे।

देश में बुनियादी ढांचे के तेजी से विस्तार ने भी कुशल श्रमिकों की मांग बढ़ाई है। आवास निर्माण, सड़क, एक्सप्रेसवे, बिजली, जलापूर्ति और औद्योगिक परियोजनाओं में इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर, बढ़ई, राजमिस्त्री और तकनीकी कर्मचारियों की आवश्यकता होती है। प्रधानमंत्री ने पीएनजी कनेक्शन बढ़ाने के अभियान के दौरान प्लंबरों की कमी का उदाहरण देकर यह स्पष्ट किया कि विकास योजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए प्रशिक्षित कामगारों की कितनी जरूरत है। इसी तरह सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी निर्माण और खेल उपकरण उद्योग में भी कुशल युवाओं के लिए नए अवसर विकसित हो रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में भी कौशल विकास की संभावनाएं व्यापक हैं। राज्य में एक्सप्रेसवे, औद्योगिक गलियारों, मोबाइल निर्माण इकाइयों, रक्षा उत्पादन और पर्यटन क्षेत्र का विस्तार हो रहा है। इन परियोजनाओं में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित करके रोजगार उपलब्ध कराना राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे सकता है। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2027 में ग्रेटर नोएडा में वर्ल्डस्किल्स एशिया प्रतियोगिता आयोजित किए जाने की घोषणा की है। यह आयोजन उत्तर प्रदेश और भारत के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करेगा। इसके साथ ही राज्य में कौशल प्रशिक्षण और व्यावसायिक शिक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ सकती है।

कौशल विकास का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है। कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी, मत्स्य पालन, कृषि मशीनरी, हस्तशिल्प और ग्रामीण उद्योगों से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम गांवों के युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खोल सकते हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और रोजगार की तलाश में शहरों की ओर पलायन का दबाव भी कम किया जा सकेगा। विशेष रूप से छोटे कस्बों और पिछड़े जिलों में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण संस्थानों का विस्तार करना आवश्यक है।

इसके साथ ही कौशल प्राप्त युवाओं को उचित वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना भी जरूरी है। केवल प्रमाणपत्र देकर युवाओं को रोजगार के बाजार में छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले अनेक कुशल श्रमिक आज भी कम पारिश्रमिक और अस्थिर रोजगार की समस्या से जूझ रहे हैं। यदि देश को वास्तव में कौशल आधारित अर्थव्यवस्था बनाना है तो श्रम का सम्मान और श्रमिकों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। समाज की सोच में भी बदलाव लाना होगा, ताकि किसी तकनीकी काम को छोटा न समझा जाए।

कौशल विकास के साथ स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देना भी महत्वपूर्ण है। हर युवा को नौकरी देना संभव नहीं है, लेकिन प्रत्येक युवा को ऐसा हुनर दिया जा सकता है, जिसके आधार पर वह अपना व्यवसाय शुरू कर सके। इसके लिए आसान ऋण, बाजार तक पहुंच, आधुनिक तकनीक और सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना होगा। छोटे उद्योगों और स्थानीय उत्पादन इकाइयों को प्रोत्साहित करके युवाओं को रोजगार देने वाला उद्यमी बनाया जा सकता है। विकसित भारत का सपना केवल बड़े उद्योगों, आधुनिक शहरों और विशाल परियोजनाओं से पूरा नहीं होगा। इसके लिए देश के करोड़ों युवाओं को शिक्षित, प्रशिक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाना होगा। डिग्री के साथ हुनर, शिक्षा के साथ व्यावहारिक ज्ञान और प्रशिक्षण के साथ सम्मानजनक रोजगार की व्यवस्था ही भारत को आर्थिक रूप से मजबूत बना सकती है। लखनऊ के कौशल दीक्षांत समारोह से निकला संदेश भी यही है कि देश की वास्तविक ताकत उसके कुशल हाथों और मेहनतकश युवाओं में छिपी है।

गृह लक्ष्मियों के सशक्तीकरण पर भी ध्यान दें..

दीपावली की आहट सुनाई देने लगी है। घर-दुकान से लेकर कार्यालय आदि की साफ-सफाई का दौर चल रहा है। धन की देवी की बाट ताकती दुनिया को पता है कि भले ही उनकी सवारी उल्लू है, लेकिन उनकी कृपा उसी जगह होती है। जहां स्वच्छता होती है। लेकिन यह स्वच्छता आती कैसे है? बिना उद्यम और परिश्रम के क्या सफाई संभव है। मतलब साफ है कि बिना उद्यम के लक्ष्मी का आना संभव नहीं। हमारी परंपरा में घर-परिवार की महिलाओं-कन्याओं को भी देवी का ही रूप माना जाता है। बिनु घरनी घर भूत का डेरा, हमारे यहां यह माना जाता रहा है। यानी घर में जब घरनी या महिला होती है, तो वह सिर्फ महिला, पत्नी, बेटी, बहन या मां ही नहीं रह जाती, बल्कि घर की लक्ष्मी हो जाती है। घर की लक्ष्मी जब समर्थ होती है तो परिवार खुशहाल होता है। इन्हीं संदर्भों में याद आती है भारत सरकार की लखपति दीदी योजना। मोदी सरकार की कोशिशों से अब देश में तीन करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। अब भारत सरकार का लक्ष्य है कि इस संख्या को छह करोड़ तक पहुंचाया जाए। इस योजना की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब कई दीदियां करोड़पति बन चुकी हैं या फिर उनका स्वयंसहायता समूह करोड़पति हो चुका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इतिहास में अपनी कई अनूठी पहलों के लिए याद किए जाएंगे। उनमें से ही एक अनूठी पहल है, लखपति दीदी योजना। इस योजना की शुरूआत उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के दिन 15 अगस्त 2023 को किया था। इसके तहत अगले साल के केंद्रीय बजट में इसे औपचारिक रूप से देश भर में लागू करने का प्रावधान किया गया। इस योजना का नोडल केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय है। जिसके तहत चल रही दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को इस योजना को लागू करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को कौशल विकास की ट्रेनिंग देकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, ताकि वे सालाना कम से कम ?1 लाख की स्थायी आय अर्जित कर सकें। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाली इस योजना के तहत उन्हें एलईडी बल्ब बनाने, प्लंबिंग, ड्रोन चलाने और रिपेयरिंग जैसे तकनीकी काम तो सिखाए ही जा रहे हैं, उन्हें स्थानीय स्तर पर काम करने और दस्तकारी आदि को बढ़ावा देने की भी कोशिश की जा रही है। शुरू में इस योजना के जरिए दो करोड़



महिलाओं को %लखपति दीदी% बनाने का लक्ष्य रखा गयॉ था, जिसे फरवरी 2024 के अंतरिम बजट में बढ़ाकर तीन करोड़ कर दिया गया और यह लक्ष्य भी हासिल किया जा चुका है। इस योजना के तहत राज्य सरकारों की मदद से बैंकों से स्वयं सहायता समूहों को सस्ते दर पर कर्ज दिलाया जा रहा है। अच्छी बात यह है कि ज्यादातर दीदियां इस कर्ज से ना सिर्फ अपना काम बढ़ा रही हैं, बल्कि बैंकों को कर्ज की किश्तें भी नियमित रूप से चुका रही हैं। हाल ही में विजयवाड़ा में आयोजित दिल्ली के बाहर सरस मेले के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस लक्ष्य को छह करोड़ करने का ऐलान किया और कहा कि अगले तीन साल में इस लक्ष्य को हासिल कर लिया जाएगा। इस दस्तकारों और स्वयंसहायता समूहों द्वारा निर्मित सामानों को बाजार उपलब्ध कराने की दृष्टि से केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय 1999 से ही दिल्ली में सरस मेले का आयोजन करता रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा शुरू किए गए इस बाजार को अब तक दिल्ली में ही लगाया जाता रहा है। लेकिन इस साल पहली बार विजयवाड़ा में 13 से 31 अक्टूबर तक विजयवाड़ा में यह आयोजन किया गया। इस आयोजन में विशेष रूप से सफल लखपति और करोड़पति दीदियों के काम को प्रदर्शित किया गया। इसी आयोजन में झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले लखपति दीदी मीनू रक्षित से मुलाकात हुई। ग्यारह महिला सदस्यों की सहायता से शुरू उनके ग्रुप का टर्न ओवर अब पचास लाख सालाना से ज्यादा हो गया है। इसका असर यह हुआ है कि कभी मजदूरी करके जीने वाला उनका परिवार अब आत्मनिर्भर हो गया है और ना सिर्फ उनके परिवार में खुशहाली आई है, बल्कि उनके समूह में शामिल महिलाओं की भी स्थिति सुधरी है। साबुन बनाने से शुरू हुआ उनका काम अब 35 तरह के घरेलू उत्पाद बना रहा है और देशभर से उनके माल की मांग बढ़ रही है। कुछ ऐसी ही कहानी रही राजस्थान के बीकानेर से इस मेले में शामिल होने आई राजीविका मिशन से जुड़ी ममता की भी कहानी है। बीकानेर अपने नमकीन के लिए मशहूर पहले से ही है। ममता भी अपने घर में अपने खाने-पीने के लिए नमकीन बनाती रहीं। लेकिन लखपति दीदी योजना से जुड़ने के बाद उनके समूह की ग्यारह महिलाओं का जैसे भाग्य ही बदल गया। महज तीन साल में ही इस समूह का सालाना टर्नओवर बारह लाख से ज्यादा हो गया है। इसका असर यह हुआ है कि इस समूह की महिलाएं अपने घर की आर्थिक मदद करने लगी हैं। अपने बच्चों के खर्च के लिए उन्हें किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा। लखीमपुर से आई शमीमा की भी कुछ ऐसी ही कहानी रही। आज उनका समूह चमड़े के जूते-चप्पल बना रहा है। इस काम में उनके पति सहयोग करते हैं और उनके समूह का टर्नओवर साठ लाख को पार कर चुका है।

भारत में प्रबंधन की पढ़ाई के लिए मशहूर भारतीय प्रबंधन संस्थान यानी आईआईएम, अहमदाबाद ने हाल ही में लखपति दीदी योजना को लेकर एक शोध किया है। संस्थान ने अपने अध्ययन में देश के सत्रह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 6531 महिलाओं के काम को शामिल किया है। इस अध्ययन के मुताबिक लखपति दीदियों के परिवारों की आय में 61 फीसद तक का इजाफा देखा गया है। इसकी वजह से परिवारों की मासिक बचत में करीब 61.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मार्च 2026 में खत्म हुए अध्ययन के अनुसार, करीब 48 प्रतिशत लखपति दीदियों के कारोबार में पिछले एक साल में विस्तार हुआ है। इसका असर यह हुआ है कि अब लखपति दीदियों के काम करने का दायरा भी बढ़ा है। अब वे एक साथ करीब-करीब दो-दो काम कर रही हैं। इस अध्ययन के मुताबिक एक लखपति दीदी की कामयाबी से दूसरी महिलाओं को भी प्रेरणा मिली और उन्होंने भी समूह बनाकर इस योजना का फायदा उठाया और अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर की।

घर की लक्ष्मी भले ही महिला को माना जाता रहा हो, लेकिन पारंपरिक परिवारों के अहम फैसलों में महिलाओं की राय की भूमिका कम रही है। लेकिन लखपति दीदियों की राय को पारिवारिक फैसलों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आईआईएम के अध्ययन के अनुसार 36 प्रतिशत से ज्यादा लखपति दीदियों का कहना है कि पारिवारिक मामलों में उनकी राय का वजन बढ़ा है, साथ ही करबी 30.5 प्रतिशत दीदियों का मानना है कि उन्हें इस योजना के जरिए आर्थिक स्वायत्तता मिली है। आईआईएम अहमदाबाद की अध्ययन रिपोर्ट बताती है कि इस योजना से ग्रामीण समाज में भी बदलाव दिख रहा है।

मराठी की एक कहावत है कि एक शिक्षित महिला के चलते सात पीढ़ियों तक शिक्षा का बदलाव दिखता है। कुछ इसी तर्ज पर कह सकते हैं कि लखपति दीदी योजना के चलते भारतीय समाज बदलाव के नए दौर में कदम रख चुका है। सोचिए अगर देश की छह करोड़ महिलाएं सालाना कम से कम एक लाख रूपए की आय वाली होंगी तो इसका क्या असर होगा। निश्चित तौर पर छह करोड़ परिवार गरीबी रेखा की सीमा को कुछ और फांद जाएंगे। लक्ष्मी पूजन के मौके पर लखपति दीदी योजना को इस रूप में भी देखा जाना चाहिए।

अमरोहा
सोमवार 23 नवंबर 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

कायाकल्प आकलन के तहत जिला संयुक्त चिकित्सालय का निरीक्षण



अमरोहा (सब का सपना):- जिला संयुक्त चिकित्सालय अमरोहा में राज्य स्तर से नामित स्टेट क्वालिटी कंसल्टेंट आस मोहम्मद (शाहजहांपुर) और जिला क्वालिटी कंसल्टेंट तौफीक अहमद ने संयुक्त रूप से कायाकल्प असेसमेंट के अंतर्गत सभी वार्ड एवं परिसर का निरीक्षण किया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अश्वनी कुमार भंडारी ने चिकित्सालय स्टाफ के साथ पुष्पगुच्छ देकर टीम का स्वागत किया। टीम ने ओपीडी, पंजीकरण कक्ष और फामेर्सी का निरीक्षण किया। मरीजों ने ऑनलाइन पंजीकरण की पुष्टि की। एनआरसी वार्ड में कुपोषित बच्चों के भोजन और अभिलेखों की जांच की गई। आईपीएचएल लैब, लेबर रूम, एनएनसी/पीएनसी वार्ड में प्रसव संबंधी जानकारी ली गई। लेबर रूम में प्रतिमाह 80-100 सामान्य प्रसव हो रहे हैं। नियमित महिला चिकित्सक न होने पर शासन से पत्राचार का निर्देश दिया गया। गायनी ओटी में प्रतिमाह लगभग 100 सिजेरियन हो रहे हैं। एसएनसीयू में 12 बेड और लैक्टेशन मैनेजमेंट यूनिट की व्यवस्था सराही गई। आईसीयू, सर्जिकल वार्ड, ट्रॉमा सेंटर, ब्लड कंपोनेंट यूनिट आदि का भी निरीक्षण किया गया। टीम ने पॉल्यूशन व फायर एनओसी, मैकेनाइज्ड क्लीनिंग, क्वालिटी रजिस्टर आदि अभिलेखों की जांच की। सफाई व्यवस्था और बायोमेडिकल वेस्ट निस्तारण की सराहना करते हुए भविष्य में भी यही स्तर बनाए रखने तथा स्टाफ को प्रशिक्षित करने का सुझाव दिया।

कल्याणकारी योजनाओं से ही संभव विकसित भारत का निमार्ण:- सूर्य प्रकाश पाल

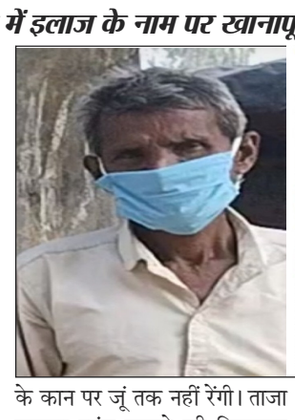




अमरोहा (सब का सपना):- जगदीश सरन हिंदू पीजी कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग के तत्वावधान में शनिवार को ह्यकेंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाएं एवं विकसित भारतह्ल विषय पर एक विचारोत्तेजक सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि सूर्य प्रकाश पाल ने रामराज्य की अवधारणा और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाकर ही सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण संभव है। उन्होंने भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा और आधुनिक विज्ञान के अंतसंबंधों को रेखांकित करते हुए कहा कि अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहकर ही आधुनिक प्रगति को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया जा सकता है। मंच पर महाविद्यालय के उप प्राचार्य एवं वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल रायपुरिया, अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मनन कौशल तथा असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. गौरव सिंह उपस्थित रहे। प्रो. मनन कौशल ने केंद्र प्रायोजित योजनाओं के आर्थिक व सामाजिक प्रभावों पर अपने विचार रखे और विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गौरव सिंह ने किया तथा अंत में प्रो. मनन कौशल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सेमिनार में प्राध्यापकों सहित लगभग 500 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

लैब होते हुए भी नहीं हो रही जांच, मरीजों को दौड़ाया जा रहा रहरा अस्पताल

ढवारसी सीएचसी में इलाज के नाम पर खानापूर्ति, मरीजों को बलगम किट तक नहीं दी जा रही





ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ढवारसी में स्वास्थ्य सेवाओं की हालत बद से बदतर होती जा रही है। करोड़ों रुपये की बिल्डिंग, पर्याप्त स्टाफ और टीबी जांच की लैब होने के बावजूद मरीजों को जांच के लिए रहरा अस्पताल भेजा जा रहा है। हाल ही में हमारी टीम ने ढवारसी अस्पताल की ग्राउंड पड़ताल की थी। पड़ताल में स्टाफ अधूरा मिला। जब इस संबंध में अस्पताल के एक डॉक्टर से पूछा गया तो उन्होंने टीम के साथ अभद्र व्यवहार किया। खबर प्रसारित होने के बाद भी अस्पताल प्रशासन के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। ताजा मामला सांस फूलने की शिकायत लेकर पहुंचे एक मरीज का है। मरीज ढवारसी सीएचसी पर टीबी की जांच कराने पहुंचा, लेकिन उसे बलगम इकट्ठा करने के लिए किट तक नहीं दी गई। उल्टे उसे सीधे रहरा अस्पताल के लिए भेज दिया गया। पीड़ित मरीज रहरा अस्पताल पहुंचा, जहां से उसे बलगम किट मिली। किट मिलने के बाद वह घर लौटा और अपनी आपबीती हमारी टीम से साझा की। मरीज का कहना है कि जब ढवारसी में लैब और स्टाफ मौजूद है, तो जांच के लिए रहरा क्यों जाना पड़े। यह ढवारसी क्षेत्र के लोगों की मुख्य समस्या बन चुकी है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि सीएचसी ढवारसी में टीबी जांच की व्यवस्था को तत्काल सुचारू किया जाए, मरीजों को मौके पर ही बलगम किट उपलब्ध कराई जाए और लापरवाह स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की जाए, ताकि मरीजों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिल सके।

मुलायम सिंह यादव की जयंती पर केक काटकर मनाया गया जन्मदिवस, समाजवादी कार्यकर्ताओं ने किया नमन



हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- हसनपुर विधानसभा-42 क्षेत्र के नगर हसनपुर स्थित मोहल्ला लाल मस्जिद, चामुंडा रोड पर समाजवादी पार्टी के पूर्व नगर अध्यक्ष बाबू कुरैशी के आवास पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी विचारधारा के प्रणेता श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव की जयंती के अवसर पर केक काटकर जन्मदिवस मनाया गया।इस अवसर पर नेताजी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण स्मरण किया गया तथा उनके संघर्षपूर्ण राजनीतिक जीवन, विचारों, समाजवादी सिद्धांतों और जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान राजेंद्र सिंह खड्गवंशी ने कहा कि नेताजी ने अपना संपूर्ण जीवन गरीबों, किसानों, मजदूरों, नौजवानों और वंचित वर्गों के अधिकारों एवं सम्मान के लिए समर्पित किया है। उनके विचार और समाजवादी सिद्धांत सदैव हम सभी का मार्गदर्शन करते रहेंगे। नेताजी के विचारों को आत्मसात कर सामाजिक न्याय और जनसेवा के मार्ग पर आगे बढ़ना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। सभी ने नेताजी को जन्मजयंती पर कोटि-कोटि नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पूर्व नगर अध्यक्ष हाजी बाबू कुरैशी, एहतेशाम बाबू, बब्बू सैफी, हाजमान उल्ला खान, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गुलाब सिंह खड़कवंशी, नरेंद्र राणा, मोहम्मद यूसुफ अब्बासी, बिल हसन, नेम मंसूरी, मोहम्मद अली सैफी, आसिफ सैफी, तय्यब सैफी, डॉक्टर फिरोज, अंसार मलिक, यमन सैफी, फूल सिंह खड़कवंशी, राजकुमार प्रधान, रणवीर खड़कवंशी, चंद्रपाल सिंह खड़कवंशी, विजेंद्र सिंह खड़कवंशी, कमल सिंह, चरण सिंह, चंद्रपाल खड़कवंशी, लेखराज सिंह खड़कवंशी, छोटे सिंह, जितेंद्र खड़कवंशी, चंद्रपाल खड़कवंशी, रईस अहमद सैफी, आदिल चौधरी, अल्ताफ हुसैन, नेम चौधरी, रईस सलमानी, पूर्व वार्ड मेंबर मोहम्मद साजिद, सलीम कुरैशी, सूफी अबरार, मोहम्मद अकरम, साजिद कुरैशी, इनता कुरेशी, नजीर कुरैशी, अनवर सैफी, इस्तेफाक आलम, रहीस सलमानी, अकरम कुरैशी, आजम कुरैशी, रईस सैफी, रहीस कुरेशी, सब्बू चौधरी एवं समस्त सम्मानित समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता एवं नगरवासी उपस्थित रहे।

पोरारा गंगा घाट पर भव्य गंगा मेले का शुभारंभ, हवन-पूजन और दुग्धाभिषेक के साथ गूंजे गंगा मैया के जयकारे





रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- पवित्र गंगा घाट पर लगने वाले गंगा मेले का रविवार को बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ शुभारंभ हुआ। मेले का उद्घाटन हवन-पूजन और गंगा मैया के दुग्धाभिषेक के साथ किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में हसनपुर विधायक के पुत्र देवेंद्र सिंह खड़कवंशी मौजूद रहे। पंडित के मंत्रोच्चार और हवन की आहुतियों से पूरा घाट भक्तिमय हो गया। मुख्य अतिथि देवेंद्र सिंह खड़कवंशी ने विधि-विधान से हवन में आहुति दी और गंगा मैया का दुग्धाभिषेक कर मेले का शुभारंभ किया। इस दौरान गंगा मैया के जयकारों से पूरा घाट गूंज उठा।kआपको बता दें कि विकासखंड गंगेश्वरी के ग्राम पंचायत पोरारा के अंतर्गत गंगा घाट पर हर वर्ष कार्तिक मास में पूर्णिमा के अवसर पर गंगा मेले का आयोजन किया जाता है। यह मेला केवल पोरारा ही नहीं, बल्कि आसपास के कई गांवों के लोगों के लिए आस्था का बड़ा केंद्र है। कार्तिक पूर्णिमा पर यहां गंगा स्नान करने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। इसी क्रम में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गंगा मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले का आयोजन रविवार से शुरू हो गया, जो तीन दिनों तक चलेगा। मेले में इस बार दुकानों की रौनक देखते ही बन रही है। बच्चों के लिए झूले, मनोरंजन के साधन, खान-पान के स्टॉल, पूजा सामग्री की दुकानें सज गई हैं। ग्रामीणों में मेले को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सभी मेले का आनंद लेते नजर आए। मुख्य अतिथि देवेंद्र सिंह खड़कवंशी ने इस अवसर पर कहा कि पोरारा गंगा मेला हमारी संस्कृति और आस्था का प्रतीक है। गंगा मैया के आशीर्वाद से क्षेत्र में सुख-समृद्धि बनी रहे, यही कामना है। उन्होंने मेला समिति को सफल आयोजन के लिए बधाई दी और प्रशासन से मेले में सुरक्षा, सफाई और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने की बात कही। मेला समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, सफाई और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। घाट पर नावों और गोताखोरों की भी व्यवस्था की गई है ताकि स्नान के दौरान किसी प्रकार की अनहोनी न हो। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष आदमपुर राजीव गोयल खंड विकास अधिकारी राजेश कुमार, थाना प्रभारी रहरा अमित कुमार तोमर, मेला प्रभारी दारा सिंह, धर्मपाल सिंह सचिव, संदीप सिंह सचिव, कृपाल सिंह सचिव, विदित यादव सचिव, विपिन यादव सचिव, हल्का लेखपाल सतीश कुमार, एडीओ ग्राम विकास राजकुमार, एपीओ हरीश चौहान, ग्राम प्रधान इशरत अली सहित अनेकों लोग मौजूद रहे।

जिले में धूमधाम से मनाया गया विश्व मत्स्यिकी दिवस



अमरोहा (सब का सपना):- शनिवार को विश्व मत्स्यिकी दिवस बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मत्स्य विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में लगभग 30 किसान भाइयों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मत्स्य पालन से जुड़े किसानों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देना, उनके कौशल का विकास करना और मछली पालन को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के दौरान 10 किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) से संबंधित प्रक्रिया पूरी करवाई गई, जबकि 10 अन्य किसानों का राष्ट्रीय मत्स्य विकास परियोजना (एनएफडीपी) में पंजीकरण कराया गया। सभी प्रतिभागी किसानों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। मत्स्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई, जिसमें सब्सिडी, प्रशिक्षण और आधुनिक तकनीकों से जुड़ी सुविधाओं पर विशेष प्रकाश डाला गया। इसके अलावा मछलियों में लगने वाले सामान्य रोगों के प्रबंधन, उनकी पहचान, रोकथाम और उपचार के बारे में भी किसानों को व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिनीत कुमार मत्स्य निरीक्षक ने की।

उन्होंने किसानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि मत्स्य पालन न केवल रोजगार का साधन है, बल्कि पोषण सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने किसानों से आधुनिक तकनीकों को अपनाने और विभाग से निरंतर संपर्क बनाए रखने की अपील की।

द आर्यन्स ने कराया गंगा अवतरण, दिया नशामुक्ति का संदेश



अमरोहा (सब का सपना):- द आर्यन्स, जोया की ओर से रविवार को तिगरी गंगा मेले में गंगा अवतरण नामक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रस्तुति में विद्यार्थियों ने अपनी अभिनय कला, संवाद अभिव्यक्ति, मनमोहक हाव-भाव और आकर्षक वेशभूषा के माध्यम से गंगा मैया के पृथ्वी पर अवतरण की पौराणिक कथा को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। प्रदर्शन इतना प्रभावशाली था कि दर्शक भाव-विभोर हो गए और हर-हर गंगे, जय गंगा मैया तथा हर-हर महादेव के जयकारे गूंजने लगे। गंगा अवतरण कार्यक्रम में हिमांशु पारुल, गुंजन, स्नेहा अग्रवाल, दिशा चौधरी, अनाया, दिव्या, भव्या चौधरी सहित दर्जनों विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इसके अलावा विद्यार्थियों ने एक नुक्कड़ नाटक का भी मंचन किया, जिसमें समाज को नशा मुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया गया। नाटक के माध्यम से बच्चों ने स्वयं भी जीवन में कभी नशा न करने का संकल्प लिया। इसमें मानसी, हिमांक, तनिष्का, प्रिया, स्नेहा आदि विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की सराहना करते हुए प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने कहा कि पौराणिक कथाएँ हमारे जीवन में सात्विकता और शुद्धता का संचार करती हैं। प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह व अनिल कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को शुभाशीष दिए, जबकि निदेशक अमन लिट्ट और गौरव चौधरी ने उनकी अभिनय कला की प्रशंसा करते हुए सादगीपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा दी। समस्त गतिविधियों का संचालन गतिविधि प्रभारी जागृति कौशिक और सचिन शर्मा ने किया। कार्यक्रम में शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

घर में घुसकर परिवार से मारपीट और तोड़फोड़ का आरोप, पीड़ित ने तहरीर देकर की कानूनी कार्यवाही की मांग

सरकारी रास्ते पर खड़ी गाड़ी हटवाने को लेकर चल रही थी रंजिश, महिलाओं से अभद्रता और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के गांव भानपुर में घर में घुसकर परिवार के साथ मारपीट और तोड़फोड़ किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने थाना प्रभारी को शिकायती पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। बता दें कि थाना क्षेत्र के गांव भानपुर निवासी रूपा चौधरी पत्नी दिग्विजय ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि करीब 15 दिन पूर्व सरकारी रास्ते पर खड़ी गाड़ी हटवाने को लेकर कुछ लोगों से विवाद हो गया था। इसी बात को लेकर आरोपी उनसे रंजिश रखने लगे थे। पीड़िता के अनुसार, 21 नवंबर 2026 को समीर, शाहिल, जाकिर, फैजान, शमा, बब्बू, सेवी, जिया, दरकशा, सब्बू समेत 3-4 अज्ञात लोग कथित रूप से जबरन उनके घर में घुस आए।आरोप है कि सभी ने परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की और घर में तोड़फोड़ करते हुए महिलाओं के साथ अभद्रता की। विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता ने बताया कि घटना के बाद से परिवार दहशत में है और उन्हें आरोपियों से दोबारा किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई है।पीड़िता ने घटना का वीडियो उपलब्ध होने की बात भी कही है। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने और उचित कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

सड़क सुरक्षा पखवाड़े के अंतर्गत विद्यार्थियों को दी यातायात नियमों की जानकारी





अमरोहा (सब का सपना):- सड़क सुरक्षा पखवाड़ा (16 नवंबर से 30 नवंबर 2026) के अंतर्गत जिलाधिकारी डा नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के दिशा-निर्देशों तथा उप संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) मनोज कुमार मिश्रा के नेतृत्व में हिल्टन कॉन्वेंट स्कूल, जोया रोड, अमरोहा में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उप संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) मनोज कुमार मिश्रा उपस्थित रहें। कार्यक्रम में सर्वप्रथम विद्यालय डायरेक्टर एवं प्रधानाचार्य ने पुष्प गुच्छब भेट कर उप संभागीय परिवहन अधिकारी एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य का स्वाागत किया। तदोपरान्त कार्यक्रम प्रारम्भर करते हुए अनिल कुमार जग्गाड ने सड़क सुरक्षा अभियान पर विस्तृनत जानकारी देते विद्यार्थियों को ड्राइविंग रेगुलेशंस 2017 (Driving Regulations), रोड रेगुलेशंस (Road Regulations), यातायात संकेतों एवं सड़क चिह्नों की भाषा के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की तथा विद्यार्थियों को हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य प्रयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने तथा नाबालिगों द्वारा वाहन न चलाने के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर अपने सम्बोाधन में उप सम्भा गीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन ने कहॉ कि सड़क दुर्घटनाओ का कोई स्थापन या समय निश्चित नहीं हैं सड़क दुर्घटनाए आकस्मिक होती हैं जिसका पीड़ित के साथ साथ पूरे परिवार पर प्रभाव पड़ता हैं हमें सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय ढुढने होगे तथा सड़क सुरक्षा नियमो का पालन करना होगा इसके साथ ही सड़क दुर्घटनाओं से बचाव, दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की सहायता करने तथा उन्हें समय से चिकित्सा सुविधा उपलब्धु कराने के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करना प्रत्येक नागरिक का सामाजिक एवं मानवीय दायित्व है। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक परिवहन वाहनों में सुरक्षित यात्रा, यातायात नियमों के पालन, महिला सुरक्षा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में उपलब्ध हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। वक्ताओं ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल परिवहन विभाग अथवा पुलिस विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक बनाकर परिवार एवं समाज में सड़क सुरक्षा की संस्कृति विकसित की जा सकती है।kकार्यक्रम के अंत में विद्यालय की डायरेक्टर भावना सैनी, प्रधानाचार्य अवनीश शर्मा, ने सभी का धन्यावाद ज्ञापित किया तथा अनिल कुमार जग्गा, ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने तथा अन्य लोगों को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में उप संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) मनोज कुमार मिश्रा, जिला सड़क सुरक्षा समिति के गैर सरकारी सदस्य एवं सेफ ड्राइव रोड सेफ्टी फाउंडेशन के संस्थापक अनिल कुमार जग्गा, विद्यालय की डायरेक्टर भावना सैनी, प्रधानाचार्य अवनीश शर्मा, सहित विद्यालय के शिक्षकगण बकेश कुमार, सन्नी दुआ,अनुराग शर्मा प्रीति शर्मा, मिस रूबी, विवेक कुमार, चारू राजपूत मंजू माहेश्वरी एवं बड़ी संख्यी में छात्र छात्रायें आदि उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में 2273 मरीजों का हुआ नि:शुल्क उपचार



सम्भल (सब का सपना):-जनपद के सभी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रविवार को 280वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का सफल आयोजन किया गया। जिलाधिकारी के निदेर्शों के अनुपालन में जनपद संभल के 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा नौ नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर लगाए गए इन स्वास्थ्य शिविरों में बड़ी संख्या में मरीज अपना इलाज कराने पहुँचे। मेला सत्रों में तैनात 36 चिकित्सकों और 137 पैरा-मेडिकल स्टाफ की टीम ने कुल 2273 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाएं और उचित चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध कराया। उपचार कराने वालों में 1064 पुरुष 831 महिलाएं और 378 बच्चे शामिल रहे।स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार मेले में सबसे अधिक 387 मरीज चर्म रोग से पीड़ित पाए गए। इसके अलावा दमा के 300 बुखार के 243 उच्च रक्तचाप के 105 मधुमेह के 103 तथा नेत्र रोग से संबंधित 24 मरीजों सहित अन्य बीमारियों से ग्रसित लोगों का इलाज किया गया। संक्रामक रोगों की रोकथाम के दृष्टिगत बुखार से पीड़ित 27 मरीजों की मलेरिया और 09 संदिग्ध मरीजों की डेंगू जांच की गई। राहत की बात यह रही कि जांच के बाद सभी संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट नेगेटिव आई। आरोग्य मेले के दौरान आमजन को विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ भी दिया गया। आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अंतर्गत पात्र 89 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाए गए। साथ ही सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन संबंधी परामर्श और सामग्री उपलब्ध कराने के लिए अलग से विशेष काउंटर स्थापित किए गए। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए मेले में आए 68 मरीजों को टेलीमानस कंसल्टेंसी की सुविधा भी प्रदान की गई। अभियान के तहत आशा कार्यकताओं ने ग्रामीणों को संचारी रोगों से बचाव और मच्छर जनित बीमारियों को रोकने के लिए सोर्स रिडक्शन के प्रति जागरूक किया। इसके अतिरिक्त नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत 309 व्यक्तियों को तंबाकू छोड़ने के लिए विशेष परामर्श दिया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों ने विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों का भ्रमण कर आरोग्य मेला सत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए चिकित्सकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

संभल में धूमधाम से मनाई गई मुलायम सिंह यादव की जयंती



बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं देश के पूर्व रक्षामंत्री धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव की जयंती को जिला संभल में धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। बहजोई स्थित रिसोर्ट में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं ने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही जिला कार्यालय सहित चारों विधानसभा क्षेत्रों में भी जयंती कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने अपने संघर्ष सादगी और जनसेवा के बल पर देश की राजनीति में अलग पहचान बनाई। उन्होंने तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के रक्षामंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाई। नेताजी ने हमेशा गरीबों किसानों मजदूरों पिछड़ों दलितों अल्पसंख्यकों और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी। उनका पूरा जीवन समाज के अंतिम व्यक्ति को सम्मान और बराबरी का अधिकार दिलाने के लिए समर्पित रहा।उन्होंने कहा कि नेताजी ने किसानों युवाओं शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए। उनके विचार और संघर्ष आज भी समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी नेताजी के विचारों और समाजवादी आंदोलन को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। इस दौरान कार्यकताओं ने नेताजी के बताए रास्ते पर चलने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लिया। साथ ही गरीबों किसानों और वंचितों की आवाज बनने तथा समाजवादी विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में कार्यकताओं ने नेताजी अमर रहें और जय समाजवाद के नारे लगाए तथा मिष्ठान वितरण किया।

इस अवसर पर शोभित कुमार काका कमल शर्मा फखरे आलम संजय मदान ममता मधुकर रेनू कुमारी संगीता यादव हरवीर यादव उमेश दिवाकर नूरनमाज खान बंटी यादव अशोक गुप्ता लोकेश यादव शेखर शर्मा अमरपाल यादव चेतन गुप्ता प्रतीक नानू विजय यादव राहुल जाटव जकी भाई लव यादव शिवम यादव जितिन शर्मा जीशान मलिक रवि शंखधार अमित शर्मा वीरेश यादव फारूक खान बंटी सोहल राहुल गुप्ता सर्वेश दिवाकर सोनू कुमार अमर सिंह और रामबाबू सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पूरन सिंह मौर्य बने प्रदेश उपाध्यक्ष, कार्यकताओं ने फूल-मालाओं से किया स्वागत



चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ सम्भल की ओर से रविवार को चंदौसी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अकरोली में भूकन सिंह मौर्य के आवास पर समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व रक्षामंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पीडीए पंचायत एवं मासिक बैठक का भी आयोजन हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने नेताजी के सामाजिक संघर्ष और उनके योगदान को याद करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि नेताजी ने हमेशा सामाजिक न्याय, पिछड़ों, दलितों, किसानों, मजदूरों और कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उनके विचारों और संघर्ष को आगे बढ़ाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की पीडीए रणनीति पर चर्चा करते हुए संविधान की रक्षा तथा पिछड़ों और दलितों को राजनीतिक हिस्सेदारी दिलाने का संकल्प लिया गया। साथ ही युवाओं, छात्रों, किसानों और मजदूरों के मान-सम्मान एवं अधिकारों की लड़ाई को आगे बढ़ाने तथा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को भारी बहुमत से जिताकर अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया गया। मासिक बैठक के दौरान पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की गई। उनसे कहा गया कि अपने-अपने बूथों पर जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से कट गए हैं, उनके नाम दोबारा जुड़वाने के लिए प्रयास करें। इसके साथ ही 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं के नाम भी मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर पूरन सिंह मौर्य को समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर मौर्य समाज के लोगों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजपाल कश्यप का आभार व्यक्त किया। साथ ही पूरन सिंह मौर्य का फूल-मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश प्रजापति एडवोकेट ने कहा कि संविधान की रक्षा और युवाओं, किसानों तथा मजदूरों के हक-अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना जरूरी है। पूरन सिंह मौर्य ने मौर्य समाज से एकजुट होकर समाजवादी पार्टी को मजबूत बनाने और चुनाव में जीत दिलाने की अपील की। युवा नेता उमेश चन्द्र दिवाकर ने कहा कि नेताजी के सामाजिक न्याय के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए सबसे पहले प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने बूथ पर सक्रिय रहकर मतदाता सूची में नए नाम जुड़वाने के प्रति सजग रहना होगा। एकजुटता के साथ पार्टी प्रत्याशी को जिताने के लिए काम करना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह मौर्य ने की तथा संचालन ओमप्रकाश प्रजापति एडवोकेट ने किया। इस मौके पर पूरन सिंह मौर्य, उमेश चन्द्र दिवाकर, महेश मौर्य, वरिष्ठ नेता कोकाराम यादव, जिला सचिव पप्पू यादव, अनिल मौर्य, सोमवीर प्रजापति एडवोकेट, नरेंद्र प्रजापति, सर्वेश दिवाकर, हरीशंकर मौर्य, आनंदपाल, अमरसिंह दिवाकर, सोनू दिवाकर, रामबाबू दिवाकर, शिशुपाल मौर्य, भूकन सिंह मौर्य, योगेश प्रजापति, जितेंद्र कश्यप, नत्थू सिंह, देवी सिंह मौर्य, टिंकू, अंकित मौर्य, राजपाल मौर्य, राममिलन प्रजापति, अरविंद मौर्य, अंकुश सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला से पर्स लूटकर भाग रहे दो बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार



सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना कोतवाली सम्भल क्षेत्र में महिला से पर्स छीनने की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुठभेड़ के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शनिवार को चेकिंग के दौरान चन्दौसी बाईपास स्थित क्षेमनाथ मंदिर के पास पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान दोनों ओर से हुई फायरिंग में पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल सम्भल में भर्ती कराया है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को थाना कोतवाली सम्भल क्षेत्र में एक महिला के साथ पर्स छीनने की घटना हुई थी। महिला के पर्स में मंगलसूत्र, आधार कार्ड और अन्य जरूरी सामान रखा हुआ था। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी ने आरोपियों की गिरफ्तारी और घटना के खुलासे के लिए क्षेत्राधिकारी सम्भल के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सम्भल के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की थी। शुक्रवार को कोतवाली सम्भल पुलिस चन्दौसी बाईपास पर क्षेमनाथ मंदिर के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया तो आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें दोनों आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने मौके से खालिद पुत्र रईस अहमद उम्र 28 वर्ष और उवैस पुत्र नसीम उम्र 29 वर्ष निवासीगण को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी खालिद के कब्जे से एक पर्स, दो आधार कार्ड, 600 रुपये, एक 12 बोर का तमंचा, नाल में फंसा एक कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। वहीं, दूसरे आरोपी उवैस के कब्जे से पीली धातु का एक मंगलसूत्र, 200 रुपये, एक तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस और नाल में फंसा एक कारतूस बरामद किया गया। इसके अलावा मौके से तीन खोखा कारतूस और बिना नंबर प्लेट की एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई। मुठभेड़ की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी सम्भल सहित आसपास के थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। दोनों घायल आरोपियों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

अंधेरे में दूर से नजर आएंगी ट्रैक्टर-ट्रॉलियां, पुलिस ने लगाए रिफ्लेक्टर



रजपुरा/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शनिवार को चीनी मिल रजपुरा में सड़क सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी यातायात स्तुति सिंह ने एआरटीओ सम्भल के साथ मिलकर अभियान संचालित किया। अभियान के दौरान चीनी मिल परिसर में आने-जाने वाली ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर विशेष ध्यान दिया गया। अधिकारियों की मौजूदगी में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के पीछे रिफ्लेक्टर टेप लगाए गए, ताकि रात के समय और कम दृश्यता की स्थिति में पीछे से आने वाले वाहन चालकों को ट्रैक्टर-ट्रॉलियां दूर से ही दिखाई दे सकें। इससे सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका को कम किया जा सकेगा। इस दौरान क्षेत्राधिकारी यातायात स्तुति सिंह एवं एआरटीओ ने वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, सड़क पर सावधानी बरतने और वाहनों में आवश्यक सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल करने की अपील की। विशेष रूप से ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर रिफ्लेक्टर लगाने की आवश्यकता के बारे में समझाया गया। अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस और प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक वाहन चालक को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। सभी वाहन चालक स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें। यातायात नियमों के पालन और सावधानी से ही सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

कार्तिक पूर्णिमा मेले को लेकर एसपी ने सिसौना डांडा घाट पर पुलिस बल को किया ब्रीफ

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण पर विशेष जोर, सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के दिए निर्देश





रजपुरा/सम्भल(सब का सपना):- आगामी कार्तिक पूर्णिमा गंगा मेले को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में रविवार को पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी ने थाना रजपुरा क्षेत्रान्तर्गत स्थित सिसौना डांडा गंगा घाट पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और ड्यूटी में तैनात पुलिस बल की ब्रीफिंग की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गंगा मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी पुलिसकर्मी पूरी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। गंगा घाट एवं मेला क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि ड्यूटी के दौरान श्रद्धालुओं के साथ शालीन एवं सहयोगात्मक व्यवहार रखें। मेले में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए भीड़ प्रबंधन और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखें, जिससे किसी भी श्रद्धालु को परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही घाट क्षेत्र के संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी आपसी समन्वय बनाकर ड्यूटी करें, ताकि कार्तिक पूर्णिमा गंगा मेले को सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया जा सके। ब्रीफिंग के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत, क्षेत्राधिकारी यातायात स्तुति सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

ई-रिक्शा से माल ढुलाई पर लगा प्रतिबंध, उल्लंघन करने पर होगा भारी चालान

यातायात पुलिस ने शुरू की प्रवर्तन कार्रवाई, वाहन सीज करने और परमिट निरस्तीकरण की भी होगी संस्तुति



सम्भल(सब का सपना):- जनपद में शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने और सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए यातायात पुलिस ने सख्त कदम उठाया है। रविवार को पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात स्तुति सिंह के नेतृत्व में सवारी ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा से व्यावसायिक माल ढुलाई के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने 22 नवंबर से सवारी ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा में किसी भी प्रकार का व्यावसायिक सामान ढोने पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कर दिया है। यातायात पुलिस के अनुसार, शहर में लगातार देखने में आ रहा है कि सवारियों को ढोने के लिए पंजीकृत ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा का इस्तेमाल व्यावसायिक सामान की ढुलाई में किया जा रहा है। इनमें भारी सामान, सरिया, सीमेंट, सब्जियां, कार्टन सहित अन्य सामान लादकर ले जाया जाता है। क्षमता से अधिक और असुरक्षित तरीके से सामान लादने के कारण वाहन अनियंत्रित होकर पलटने का खतरा बना रहता है। इसके अलावा मुख्य मार्गों और बाजारों में जाम की समस्या भी उत्पन्न होती है। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यात्री परिवहन के लिए पंजीकृत वाहनों का इस्तेमाल माल ढुलाई में करना नियमों के विरुद्ध है। इस पर रोक लगाने के लिए शहर के प्रमुख चौराहों, बाजारों और व्यस्त मार्गों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए यातायात पुलिस की टीमें लगातार निगरानी करेंगी। निदेर्शों का उल्लंघन कर ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा से व्यावसायिक माल ढुलाई करते पाए जाने वाले चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम की सुसंगत धाराओं में भारी जुमार्ना लगाया जाएगा। साथ ही संबंधित वाहन का परमिट निरस्त करने की संस्तुति करने के साथ ही वाहन सीज करने की कार्रवाई भी की जाएगी। यातायात पुलिस ने शहर के व्यापारियों और दुकानदारों से भी अपील की है कि वे अपने प्रतिष्ठानों का सामान एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए केवल पंजीकृत मालवाहक वाहनों का ही इस्तेमाल करें। पुलिस ने आमजन और वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने तथा शहर की यातायात व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुचारू बनाने में सहयोग करने की अपील की है।

तिगरी मेले में वरिष्ट सपा नेता ने किया निषुल्क भीम प्याऊ का सुभारम्भ

भीम प्याऊ की ओर से तिगरी मेले के श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क जल सेवा शिविर का शुभारंभ



गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा के मोहल्ला गांधी नगर में स्थित भीम प्याऊ की ओर से तिगरी गंगा मेले के श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क जल सेवा शिविर का शुभारंभ किया गया। यह सेवा गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी जारी रहेगी।

बताते चलें कि भीम प्याऊ, मोहल्ला गांधी नगर मंडी धनौरा सन 1984 से स्थापित है। यह जल सेवा बड़े बाबू जी स्वर्गीय श्री चन्नू सिंह की याद में चलाई जा रही है। इस बार भीम प्याऊ जल सेवा शिविर का शुभारंभ फीता काटकर गुड्डो चौहान, नौगावां सादात 40 विधानसभा क्षेत्र समाजवादी पार्टी की प्रबल दावेदार ने किया। इस अवसर पर संस्थापक विश्वास गौतम, अध्यक्ष भीम गौतम, उपाध्यक्ष चन्द्र शेखर गौतम, सचिव देशवीर सिंह जाटव सहित डॉक्टर लाखन सिंह पाल पूर्व मंत्री, समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव, रणधीर सिंह चौहान, प्रिंस कुमार, राजकुमार गौतम, अभिषेक गौतम, ममता गौतम, अवनीश गौतम आदि मौजूद रहे। शिविर में तिगरी गंगा मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क जल सेवा उपलब्ध कराई जाएगी।

मासूम बेटे को पाने के लिए भटक रही विवाहिता, नगीना पुलिस से निराश होकर पहुंची मुरादाबाद

एसएसपी के आदेश पर पति समेत चार के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- अपने मासूम बेटे को पाने और ससुराल पक्ष के कथित उत्पीड़न से न्याय की गुहार लगा रही विवाहिता को नगीना पुलिस से राहत नहीं मिलने पर आखिरकार मुरादाबाद पुलिस का दरवाजा खटखटाना पड़ा। मुरादाबाद के एसएसपी के आदेश पर कटघर थाना पुलिस ने विवाहिता की शिकायत पर नगीना निवासी उसके पति, सास, ससुर और देवर के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मुरादाबाद के कटघर थाना क्षेत्र के सूरज नगर निवासी आंचल वर्मा पुत्री स्वर्गीय संजय वर्मा ने एसएसपी को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए थे। एसएसपी के निर्देश पर कटघर थाना पुलिस ने नगीना के मोहल्ला शाहजहीर निवासी पति अमित वर्मा, सास पूनम वर्मा, ससुर बृजेश वर्मा और देवर अनमोल वर्मा के खिलाफ बीएनएस की धारा 85, 115(2), 352, 351(3) और 74 तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3 व 4 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक चांदवीर को सौंपी गई है शिकायत में आंचल वर्मा ने बताया कि उसका विवाह 11 जुलाई 2024 को नगीना के मोहल्ला शाहजहीर निवासी अमित वर्मा पुत्र बृजेश वर्मा के साथ हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार हुआ था। आरोप है
कि उसकी विधवा मां और भाई ने 15 लाख रुपये का कर्ज लेकर शादी में खर्च किया था। इसके बावजूद शादी के बाद ससुराल पक्ष के लोग अतिरिक्त दस लाख रुपये और कार की मांग करने लगे। मांग पूरी नहीं होने पर उसका कथित रूप से उत्पीड़न किया जाने लगा। विवाहिता ने अपने देवर अनमोल वर्मा पर भी गलत नीयत से परेशान करने और मौका पाकर छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। आंचल का कहना है कि वह अपने मासूम बेटे को पाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन नगीना पुलिस से न्याय की उम्मीद पूरी नहीं होने पर उसे मुरादाबाद एसएसपी से शिकायत करनी पड़ी। फिलहाल कटघर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर निकाली गई भव्य प्रभात फेरी





नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर प्रभात फेरी बड़ी धूमधाम से निकली, स्मोक ऐप पर अमित उर्फ टिक्कू के प्रतिष्ठान पर पहुंचने पर बहुत-बहुत स्वागत किया गया साथ ही प्रभात फेरी में सभी जिम्मेदार लोगों को पगड़ी बंदवाकर व सरोपा पहनकर सम्मानित किया। प्रभात फेरी का सिलसिला भी संपन्न हो गया। गया। गुरुद्वारा संत सभा एसडीएम कोर्ट के निकट गुरुद्वारा से सुबह 6 बजे भव्य प्रभात फेरी प्रारंभ होकर मंडी मॉल गंज ,बड़ा मंदिर ,बारादरी होते हुए पहाड़ी दरवाजा तक गई और प्रभात फेरी समाजसेवी अमित सचदेवा उर्फ टिक्कू कपड़े वाले के प्रतिष्ठान पर पहुंची जहां प्रभात फेरी का भव्य स्वागत किया गया अमित टिक्कू के सौजन्य से विद्या शंकर पाल, प्रहलाद कुशवाहा, राजकुमार सेठी, मनोज वाल्मीकि, रोहित रवि, गौरव अग्रवाल, सरदार हरप्रीत सिंह, मनोज टंडन, तिलक राज, घनश्याम, सभी अतिथियों को पगड़ी बांधकर सरोपा भेट कर सम्मानित किया गया,, साथ ही जलपान की व्यवस्था भी की गई थी। बाद में इसी मार्ग से वापस होते हुए पुनः गुरुद्वारा संत सभा पहुंचकर संपूर्ण हुई। प्रभात फेरी का नगर में अनेकों स्थानों पर स्वागत फूलों की वर्षा कर एवं जलपान करा कर किया गया। नगर पालिका गेट पर, मंडी मॉल गंज में अमन मल्होत्रा के परिवार द्वारा ,बड़ा मंदिर पर विभु मल्होत्रा,शिवा मिगलानी के परिवार द्वारा प्रभात फेरी का स्वागत फूलों की वर्षा कर तथा मिष्ठान प्रसाद वितरण कर किया गया। गुरुद्वारा संत सभा नगीना द्वारा स्वागत करने वाले सभी परिवारों को सम्मान स्वरूप सरोपा भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रभात फेरी में सबसे आगे सेवादार मार्ग पर पुष्प वर्षा करते चल रहे थे। उनके बाद निशान साहिब लेकर भाई निशांत सिंह और फिर पंच प्यारे चल रहे थे। पांच प्यारो के रूप में भाई राजविंदर सिंह,भाई सतनाम सिंह,भाई कुशदीप सिंह,भाई तरनप्रीत सिंह,भाई जसविंदर सिंह शामिल रहे। पंच प्यारो के बाद गुरु महाराज की सुंदर झांकी चल रही थी, जिस पर गुरुद्वारा प्रधान स. केवल पाल सिंह सेवा कर रहे थे ।इनके पीछे संगत शबद कीर्तन करते हुए चल रही थी। संगतों द्वारा किए शबद कीर्तन से नगर का वातावरण गुरबानीमय हो गया था। प्रभातफेरी में मुख्य रूप से प्रधान गुरुद्वारा संत सभा नगीना सरदार केवल पाल सिंह ,गुरु घर के ज्ञानी भाई कृष्ण सिंह, भाई तारा सिंह, हरमीत मल्होत्रा ,मनमीत सिंह, जगप्रीत सिंह ,रोहित रवि , मनोज टंडन,शिवा मिगलानी, अमन ,दीपक मल्होत्रा ,विभु मल्होत्रा, चरणजीत सचदेवा, राजू सेठी,प्रहलाद कुशवाहा ,पूजा चोपड़ा, कृष्णवीर सिंह, स्वरन सिंह,रमिंदर कौर, अवनीत कौर, मनमीत कौर, रजनी , नरेंद्र मल्होत्रा,धीरज कालरा, मनोज कालरा,चेतन सचदेवा आदि सैकड़ों श्रद्धालु शामिल रहे। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी नगीना द्वारा प्रभात फेरी में शामिल सभी परिवारों का बहुत-बहुत धन्यवाद किया गया और सभी गुरु नानक नाम लेवा संगतों से गुरु पर्व को इसी तरह बड़े हर्षोल्लास से मनाने की अपील की गई।प्रधान गुरु द्वारा संत सभा नगीना स.केवल पाल सिंह ने बताया कि गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव के उपलक्ष में 22 नवंबर तक निकाली गई कुल सात प्रभात फेरियो के कार्यक्रम का समापन हो गया है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से लगभग 45 वर्षीय महिला की मौत

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- फोर लाइन टोल प्लाजा के निकट एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 45 वर्षीय ज्ञात महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम को भेजो। महिला की शिनाख्त नहीं। शनिवार की देर रात्र 11 बजे एन एच आई 374 काशीपुर हरिद्वार मार्ग स्थित पुरैनी टोल प्लाजा से नगीना की दिशा की ओर आर एफ सी होटल के सामने अज्ञात महिला सड़क पार करते समय कोई अज्ञात वाहन चालक उसे रौंद दिया महिला की मौके पर ही मौत हो गई, महिला का चेहरा बुरी तरह घायल और पेट के अंग आदि बाहर सड़क पर फैल गए। रात के सन्नाटे में राहगीरों ने सड़क पर पड़े महिला के कुचले शव के अंगों को बाहर देख 112 पुलिस साहयता टीम को सूचना दी, सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने महिला के शव को सड़क से उठाकर टोल प्लाजा की एंबुलेंस से सीएचसी भेजवाया। सीएचसी स्टाफ ने अज्ञात महिला के शव के सीएचसी पहुंचते ही नगीना थाने की पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही हल्के के दरोगा अपनी पुलिस टीम के साथ यहा सीएचसी पहुंचे जहां पर मृतक महिला के शव को कब्जे में लेकर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर भेजा। मृतक अज्ञात महिला की कोई पहचान नहीं हुई जब कि पुलिस ने मृतक महिला की शिनाख्त करने का अथक प्रयास किया लेकिन कोई कामयाबी नहीं मिल सकी।
क्षेत्र के कुछ लोगों को यह कहते सुना गया कि यह अज्ञात महिला दिव्यांग थी। ऐसे ही इधर आदर सड़कों पर घूमती देखी गई है। पुलिस अज्ञात वाहन की बड़ी गहनता से सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगालने व महिला के परिजनों तक पहुंचने के लिए लोगों से जानकारी करने में जुटी है।

मंगल गीतों के बीच धूमधाम से हुआ तुलसी विवाह, उपहार देकर की गई विदाई



नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- मोहल्ला जोशियान में श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ तुलसी विवाह का आयोजन किया गया। इस दौरान लड्डू गोपाल कन्हैया जी और तुलसी जी का विधि-विधान से विवाह संपन्न कराया गया। महिलाओं ने मंगल गीत गाकर विवाह की रस्में निभाई तथा कन्यादान में उपहार भेंट किए। मोहल्ला जोशियान निवासी उर्मिला देवी के आवास पर आयोजित समारोह में आकाश शर्मा की पत्नी श्रीमती राखी शर्मा लड्डू गोपाल कन्हैया जी की बारात लेकर पहुंचीं। बारात का महिलाओं ने मंगल गीत गाकर स्वागत किया। इस दौरान कई दर्जन महिलाएं समारोह में शामिल हुईं। इसके बाद पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार कन्हैया जी और तुलसी जी के विवाह की सभी रस्में पूरी की गईं। विवाह समारोह में मौजूद महिलाओं ने कन्यादान की रस्म निभाते हुए तुलसी जी को उपहार और दान- दहेज भेंट किया। विवाह के बाद ढोल-बाजों के साथ मंगल गीत गाते हुए तुलसी जी की विदाई की गई। पूरे आयोजन में भक्ति और उल्लास का माहौल बना रहा। इस अवसर पर रानी देवी, निर्मला देवी, अंजलि शर्मा, बाला देवी, पूजा शर्मा, डोली शर्मा, कुसुम देवी, लक्ष्मी देवी, माही शर्मा, नेहा शर्मा, सचिन शर्मा, रुचि शर्मा, अंशु शर्मा, गायत्री देवी, लता देवी, बबिता देवी और सुषमा देवी सहित अनेक महिलाएं मौजूद रहीं।

चाय पर चर्चा के बहाने मिशन 2027 की तैयारी, खुर्शीद मंसूरी को मिला समर्थन



नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- रविवार को आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के तत्वावधान में चाय पर चर्चा-मिशन 2027 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साहनपुर चेयरमैन एवं नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र से संभावित प्रत्याशी खुर्शीद मंसूरी के आवास पर आयोजित बैठक में कस्बे के सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। इस दौरान आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक चर्चा हुई और उपस्थित लोगों ने एकजुट होकर खुर्शीद मंसूरी को समर्थन देने की बात कही। बैठक की अध्यक्षता यासीन कस्सार ने की तथा संचालन उबैद नजीबाबादी ने किया। बैठक में 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले बहुजन स्वराज संकल्प महासम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि सामाजिक परिवर्तन मोर्चा गठबंधन के गठन से बहुजन समाज, दलित, मुस्लिम और अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों में नई उम्मीद जगी है। जनता नए राजनीतिक विकल्पों को लेकर चर्चा कर रही है। शेख शमीम ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश दलित और मुस्लिम आबादी वाला महत्वपूर्ण क्षेत्र है। आपसी एकता और भाईचारे के बल पर राजनीतिक भागीदारी को मजबूत किया जा सकता है। वहीं यासीन कस्सार ने कहा कि खुर्शीद मंसूरी ने साहनपुर के लोगों को प्यार, सम्मान और विकास कार्यों के माध्यम से जोड़ने का काम किया है। इसी का परिणाम है कि लोग उनके समर्थन में आगे आ रहे हैं। इस मौके पर रईस सेठ, नौशाद सरवरी, इरशाद खलीफा, अजीम खान, अहसान, नवाब, आबिद, मुजफ्फर हुसैन, जाकिर शेख, यूनुस राईन, शादाब राईन, उवैस मंसूरी, साजिद जाफर, एडवोकेट नसीम, नदीम सलमानी, नईम, दीपक, इकबाल, इंतजार, आकिब एडवोकेट, राजकुमार, खुर्शीद इदरीसी, नदीम खान और शराफत सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पुराने विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट, चार आरोपी गिरफ्तार

लोहे के पाइप, लकड़ी के डंडे और बांस से हमला करने का आरोप, पुलिस ने हथियार किए बरामद



बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के किरतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बुहदपुर नैन सिंह में पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक पक्ष के चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मारपीट मेंट प्रयुक्त दो लोहे के पाइप, एक लकड़ी का डंडा और एक बांस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, ग्राम बुहदपुर नैन सिंह में पुराने विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई थी। देखते ही देखते विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद पुलिस ने मारपीट में शामिल एक पक्ष के चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जगत सिंह पुत्र लेखराज, नवनीत सिंह पुत्र जगत सिंह, दीपक पुत्र लेखराज तथा विकास पुत्र जगत सिंह निवासीगण ग्राम बुहदपुर नैन सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मु.अ.सं. 364/2026 के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक विकास पाल, कांस्टेबल नवीन राठी और कांस्टेबल अंकुर शर्मा शामिल रहे।

संदिग्ध बीमारी के बाद मेडिकल टीम ने संभाला मोर्चा, ग्रामीणों को दी सावधानी बरतने की सलाह



बिजनौर/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र में संदिग्ध बीमारी और स्वास्थ्य संबंधी शिकायतों की सूचना मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए विभाग की विशेष मेडिकल टीम ने प्रभावित इलाके का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में कुछ लोगों को पेट दर्द, उल्टी और बुखार जैसी शिकायतें सामने आई थीं। सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पीड़ितों व उनके परिजनों से बातचीत कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। टीम ने मौके पर ही लोगों के स्वास्थ्य की जांच की और जरूरतमंदों को आवश्यक दवाइयां वितरित कीं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध खाद्य पदार्थ या जंगली फल-सब्जी के सेवन से बचें और बच्चों को भी इनसे दूर रखें। साथ ही, पीने के पानी को उबालकर इस्तेमाल करने, खान-पान में स्वच्छता रखने और आसपास साफ-सफाई बनाए रखने की सलाह दी गई है। विभाग की ओर से कहा गया है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर मेडिकल टीम आगे भी क्षेत्र में निगरानी व जांच जारी रखेगी। किसी भी तरह की तबीयत बिगड़ने पर तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें।

स्लीपर बस और आलू लदे ट्रक की टक्कर, दो की मौत, 25 घायल

ओवरटेक के दौरान हुआ हादसा, सात घायलों की हालत गंभीर; ग्रामीणों ने शीशे तोड़कर यात्रियों को निकाला



खागा/फतेहपुर (सब का सपना):- कोतवाली क्षेत्र में नेशनल हाईवे-2 पर शनिवार देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। भोगलपुर स्थित राजदरबार ढाबे के समीप ओवरटेक करने के दौरान यात्रियों से भरी टूरिस्ट स्लीपर बस आलू लदे ट्रक से टकरा गई। हादसे में बस परिचालक समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 20 से 25 यात्री घायल हो गए। घायलों में सात की हालत गंभीर बताई जा रही है।जानकारी के मुताबिक, बस संख्या UP 53 MT 6614 यात्रियों को लेकर बनारस जा रही थी। शनिवार रात करीब ढाई बजे भोगलपुर के पास बस चालक आलू लदे ट्रक संख्या RJ 14 GN 8053 को ओवरटेक करने का प्रयास कर रहा था, तभी दोनों वाहनों में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। बताया गया कि खागा निवासी एक यात्री को खागा में उतरना था। खागा नजदीक आने पर वह अपनी सीट से उठकर बस के आगे केबिन के पास खड़ा हो गया था। इसी दौरान हादसा होने से उसकी मौत हो गई। वहीं चालक के पीछे केबिन में सो रहे दिल्ली निवासी बस परिचालक ने भी दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे भोगलपुर गांव के लोगों ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया। बस के दोनों इमरजेंसी दरवाजे नहीं खुलने पर ग्रामीणों ने खिड़कियों के शीशे तोड़कर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को बाहर निकलवाया। घायलों को दो एम्बुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरदो पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सात गंभीर घायलों को फतेहपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल रहा।

बैटरी चोरी के मामले में पुलिस ने वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार, कब्जे से 12 बड़ी और दो छोटी बैटरियां बरामद





नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- पुलिस ने बैटरी चोरी के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई 12 बड़ी और दो छोटी बैटरियां बरामद की हैं। पुलिस ने चोरी की वारदात में प्रयुक्त एक सफेद-नीले रंग का ई-रिक्शा भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार शनिवार को ग्राम मोहल्ला विष्णोई सराय निवासी सचिन विष्णोई पुत्र रोहिताश विष्णोई ने नगीना देहात थाने में तहरीर देकर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ बैटरी चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि चोर ने उनकी चार बसों से आठ बैटरियां चोरी कर ली थीं। इसके अलावा ग्राम कोटकादर निवासी सोनू कुमार के महिंद्रा ट्रैक्टर तथा ग्राम चंदनवाला निवासी रिंकू के डंपर से भी एक-एक बैटरी चोरी की गई थी। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा अपराध संख्या 269/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत दर्ज किया था। रविवार को नगीना देहात पुलिस ने विवेचनात्मक कार्रवाई के दौरान प्रकाश में आए आरोपी दिलशाद पुत्र इकबाल निवासी ग्राम कोटकादर, थाना नगीना देहात को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई 12 बड़ी बैटरियां, थाना बढ़ापुर क्षेत्र से चोरी की गई दो छोटी बैटरियां तथा वारदात में प्रयुक्त सफेद-नीले रंग का ई-रिक्शा बरामद किया।पूछताछ में आरोपी ने नगीना देहात क्षेत्र से 12 बड़ी बैटरियां तथा बढ़ापुर क्षेत्र से दो छोटी बैटरियां चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की है। खबर लिखे जाने तक आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही थी। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी है। उसके खिलाफ नगीना देहात थाने में मुकदमा अपराध संख्या 269/ 2026 तथा बढ़ापुर देहात थाने में मुकदमा अपराध संख्या 202/ 2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामले दर्ज हैं।

मदारी पेट्रोल पंप के पास अतिक्रमण बना हादसों की वजह, प्रशासन मौन

फतेहपुर (सब का सपना):- अमौली से फतेहपुर जाने वाली मुख्य सड़क पर मदारी पेट्रोल पंप के पास कबाड़ की दुकान द्वारा सड़क तक अतिक्रमण फैलाकर रखा गया है। इससे आवागमन बाधित हो रहा है और हादसों का खतरा बढ़ गया है।स्थानीय लोगों के अनुसार पुलिस दिन में कई बार इसी रास्ते से निकलती है। सब कुछ सामने होने के बाद भी अतिक्रमण पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। लोगों का आरोप है कि पुलिस देखकर भी

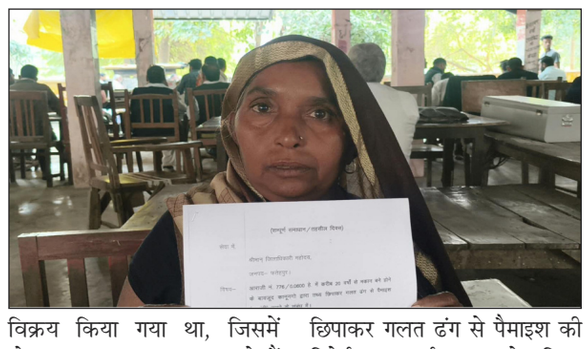


अनदेखा कर देती है। बताया जा रहा है कि इसी रोड पर पहले भी कई एक्सीडेंट हो चुके हैं। इसके बावजूद प्रशासन ने अतिक्रमण हटवाने की सुध नहीं ली। इससे लोगों में आक्रोश है।लोगों का कहना है कि सड़क संकरी होने से बाइक, ऑटो और बड़े वाहन आमने-सामने आ जाते हैं।

शाम के समय स्थिति और खतरनाक हो जाती है। राहगीरों को जान जोखिम में डालकर गुजरना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि प्रशासन तुरंत अतिक्रमण हटवाए और सड़क को सुरक्षित करे, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले कार्रवाई हो सके।

महिला ने डीएम से लगाई गुहार, गलत पैमाइश और अवैध कब्जे का आरोप

फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के ग्राम मलाका, थाना राधानगर की निवासी सरोज देवी पत्नी स्व. रामकिशोर ने सम्पूर्ण समाधान / तहसील दिवस में जिलाधिकारी फतेहपुर को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। महिला का आरोप है कि उनकी आराजी नं. 777 / 0.0820 मौजा मलाका में स्थित है। बगल के काश्तकार की गाटा संख्या 776 / 0.0600 है, जिसे रामराज पुत्र हरी ने खरीदा था। आरोप के मुताबिक, गाटा-776 के आन रोड की तरफ के कुछ भाग को करीब 20 वर्ष पूर्व मलखान पुत्र अज्ञात निवासी बड़नपुर व राजेश पुत्र अज्ञात, बाबूराम आदि को प्लाट



विक्रय किया गया था, जिसमें क्रेतागण मकान बनाकर रह रहे हैं और किसी का दाखिल-खारिज नहीं है। महिला का कहना है कि रामराज द्वारा तथ्यों को छिपाकर हदबंदी का आवेदन किया गया। कानूनगो द्वारा मकान बने होने के बावजूद तथ्य छिपाकर गलत ढंग से पैमाइश की रिपोर्ट 25 जुलाई 2024 को दाखिल की गई और एसडीएम सदर द्वारा 21 अक्टूबर 2024 को आदेश कर दिया गया, जिससे महिला की आराजी प्रभावित हो रही है। महिला ने आरोप लगाया है कि रामराज पुत्र हरी व हरीओम पुत्र रामराज द्वारा उनकी भूमि पर अवैध ढंग से कब्जा किया जा रहा है। मना करने पर गाली-गलौज व मारपीट पर आमादा होने का भी आरोप लगाया गया है। महिला का कहना है कि वह गरीब व असहाय विधवा महिला हैं, जो उक्त आराजी भूमि में ही खेती कर परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं। पूर्व में पुलिस व राजस्व विभाग को कई बार शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। महिला ने डीएम से मांग की है कि राजस्व टीम व पुलिस बल की टीम गठित कर पुनः पैमाइश कराई जाए और अवैध कब्जा रोके जाने का आदेश पारित किया जाए।

अंबापुर-हदगांव मार्ग पर रजाबाद गांव के पास टूटी पुलिया के कारण लगातार हो रहे हादसे

रेलिंग व चेतावनी बोर्ड तक नहीं, ग्रामीणों ने मरम्मत की उठाई मांग

फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के अंबापुर-हदगांव मार्ग पर रजाबाद गांव के समीप बनी टूटी पुलिया राहगीरों के लिए मुसीबत बनी हुई है। जर्जर पुलिया और सड़क पर फैले गड्ढों व मलबे के चलते आए दिन हादसे हो रहे हैं। रविवार को भी एक युवक नई बाइक समेत पुलिया के पास गिर गया। गनीमत रही कि युवक को गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने कई लोगों की मदद से बाइक को बाहर निकाला।स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक, पुलिया लंबे समय से जर्जर हालत में है। इसके दोनों ओर रेलिंग नहीं होने और सड़क पर गड्ढे व



उखड़ा हुआ मलबा पड़े होने से वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी होती है। रात के समय यहां खतरा और बढ़ जाता है, क्योंकि न तो रोशनी की व्यवस्था है और न ही कोई चेतावनी संकेतक बोर्ड लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस स्थान पर लगातार हादसे हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक सुध नहीं ले रहा। हादसे के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से पुलिया की जल्द मरम्मत कराने, दोनों तरफ सुरक्षा रेलिंग लगवाने तथा चेतावनी बोर्ड स्थापित करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों के अनुसार, पुलिया की खराब हालत के चलते बाइक सवारों और अन्य वाहन चालकों को बेहद सावधानी से निकलना पड़ता है। कई बार अचानक सामने आने वाले गड्ढों और टूटे किनारों के कारण वाहन अनियंत्रित हो जाते हैं। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से जल्द कार्रवाई कर मार्ग को सुरक्षित बनाने की मांग की है।

डीएम निधि गुप्ता वत्स ने शुकदेव व जनहितकारी इंटर कॉलेज के बूथों का किया निरीक्षण

फतेहपुर (सब का सपना):- मतदाता सूची को शुद्ध एवं अद्यतन बनाने और प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सूची में शामिल कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने शुकदेव इंटर कॉलेज एवं जनहितकारी इंटर कॉलेज में बनाए गए बूथों का निरीक्षण कर अभियान की प्रगति का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं बूथ लेवल अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान के तहत प्राप्त सभी



ऑफलाइन आवेदनों को समय से पोर्टल पर फीड कराया जाए। उन्होंने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में शामिल कराने से वंचित न रह जाए।डीएम ने बताया कि आगामी 22 एवं 28 नवंबर 2026 को विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान जनपद के सभी मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल अधिकारी सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक उपस्थित रहेंगे, ताकि पात्र नागरिक अपना आवेदन जमा कर सकें और मतदाता सूची से संबंधित समस्याओं का समाधान करा सकें।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विशेष अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए और सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं, जिससे अधिक से अधिक पात्र नागरिक अभियान का लाभ उठा सकें।

ट्रक ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, पिता-बेटी घायल

एजेंसी

गुरुग्राम। बिलासपुर थाना क्षेत्र में मन्नत होटल के सामने सात नवंबर को तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पिता और उनकी बेटी घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने ट्रक चालक और मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रेवाड़ी के शिवनगर पार्ट-2 निवासी ऋषि कुमार ने पुलिस को बताया कि सात नवंबर को वह अपनी बेटी विनती के साथ मोटरसाइकिल पर गुरुग्राम से रेवाड़ी जा रहे थे। दोपहर करीब ढाई बजे मन्नत होटल के सामने ट्रक चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। एक राहगीर ने उन्हें धारूहेड़ा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अन्य अस्पतालों में भी ले जाया गया। मंगलवार को अस्पताल से छुट्टी मिली। पुलिस प्रवक्ता संदीप ने बताया कि ऋषि कुमार की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। फुटेज के आधार पर हादसे की परिस्थितियों और ट्रक की पहचान की जांच की जा रही है।

3.68 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोपी को जमानत नहीं, एम्स में होगा इलाज

एजेंसी

गुरुग्राम। 3.68 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में आरोपी विजय कुमार शर्मा (64) को अदालत से राहत नहीं मिली है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश डॉ. गगन गीत कौर की अदालत ने उसकी नियमित और अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। हालांकि, प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित आरोपी के स्वास्थ्य को देखते हुए भोंडसी जेल प्रशासन को दिल्ली स्थित एम्स में तत्काल इलाज कराने के निर्देश दिए हैं। उपचार के दौरान आरोपी सख्त पुलिस हिरासत में रहेगा। ओम लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि सुमित शर्मा ने वर्ष 2023 में उद्योग विहार थाना पुलिस को शिकायत दी थी। आरोप था कि इच्छापूर्ति ब्रांड से जुड़ी कंपनी के लोगों ने जुलाई 2021 से मार्च 2022 के बीच लॉजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्ट, मैनपावर और सामग्री आपूर्ति के साथ सुपर फ्रेंचाइजी व बिजनेस पार्टनर मॉडल के नाम पर विभिन्न कंपनियों और व्यापारियों से सेवाएं व निवेश लिया, लेकिन भुगतान नहीं किया। इस मामले में 3.68 करोड़ रुपये से अधिक की राशि बकाया बताई गई। विजय कुमार शर्मा को 28 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार किया गया था। वह फिलहाल भोंडसी जेल में न्यायिक हिरासत में है।कंपनी को 38 से 50 लाख रुपये तक कर्ज दिया थाआरोपी के अधिवक्ताओं ने दलील दी कि उसे झूठा फंसाया गया है और वह संबंधित कंपनी में निदेशक या प्रवर्तक नहीं था। बचाव पक्ष ने दावा किया कि उसने कंपनी को 38 से 50 लाख रुपये तक कर्ज दिया था। साथ ही बताया कि आरोपी हाई-रिस्क प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित है और उसकी सर्जरी प्रस्तावित है। अभियोजन पक्ष ने कहा कि आरोपी बैंक खातों और वित्तीय लेनदेन को नियंत्रित कर रहा था। मामले में 57 वेंडरों से जुड़े करीब 9.64 करोड़ रुपये के घोटाले के आरोप भी रखे गए। अदालत ने आरोप गंभीर मानते हुए जमानत देने से इन्कार कर दिया। हालांकि, अनुच्छेद 21 के तहत स्वास्थ्य के अधिकार को देखते हुए एम्स में तत्काल इलाज कराने का आदेश दिया।

बिजली चोरी के मामले में उपभोक्ता की याचिका खारिज

एजेंसी

गुरुग्राम। बिजली चोरी और जुमार्ना नोटिस से जुड़े मामले में सिविल अदालत ने उपभोक्ता की याचिका क्षेत्राधिकार के अभाव में खारिज कर दी। सिविल जज (जूनियर डिवीजन) डॉ. मोहम्मद इम्तियाज खान की अदालत ने कहा कि बिजली चोरी और उससे संबंधित आकलन के मामलों की सुनवाई सिविल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में नहीं आती। मानेसर तहसील के गांव सिकंदरपुर बढ़ा निवासी दीपक कुमार ने दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की चेकिंग रिपोर्ट और जुमार्ना नोटिस को चुनौती दी थी। वादी का कहना था कि वह घर के बिजली कनेक्शन के नियमित बिलों का भुगतान करता रहा है। 13 फरवरी 2020 को उसकी अनुपस्थिति में निगम कर्मचारियों ने पुराना मीटर बदलकर नया मीटर लगा दिया। इसके बाद उसे कार्यालय बुलाकर 25 हजार रुपये देने और बिजली चोरी का केस दर्ज कराने की धमकी दी गई। वादी के अनुसार, 29 फरवरी 2020 को उसे चेकिंग रिपोर्ट और दो मेमो दिए गए। इनमें उस पर 1.40 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया था। उसने इस कार्रवाई को गलत बताते हुए अदालत में याचिका दायर की थी। वहीं, निगम ने अदालत में दलील दी कि जांच के दौरान मीटर की बॉडी से छेड़छाड़ मिली थी। मीटर को चिपकाने वाले पदार्थ से दोबारा जोड़ा गया था। इसके अलावा फेज और न्यूट्रल सीटी तारों में रेसिस्टेंस लगाकर बिजली की खपत में हेरफेर किया जा रहा था। निगम ने इसे बिजली चोरी का मामला बताया। अदालत ने मामले में क्षेत्राधिकार नहीं होने के आधार पर उपभोक्ता की याचिका खारिज कर दी।

जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

एजेंसी

गुरुग्राम। विद्यार्थियों में विज्ञान और तकनीक के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए शनिवार को समग्र शिक्षा के तहत जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की गई। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (जीएसएसएस) बसई में हुई प्रदर्शनी में कक्षा छह से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर विज्ञान मॉडल बनाकर अपनी रचनात्मक सोच और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सात अलग-अलग थीम के आधार पर मॉडलों का मूल्यांकन किया गया। प्रत्येक थीम में पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले विद्यार्थियों का चयन किया गया। प्रदर्शनी में गणितीय मॉडलिंग एवं कम्प्यूटेशनल थिंकिंग, ग्रीन एनर्जी एवं पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण परिवर्तन के लिए विज्ञान, पारंपरिक कृषि पद्धतियां, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं साफ़-सफाई, आपदा प्रबंधन और बेहतर जीवन के लिए आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस जैसे विषय शामिल रहे। विद्यार्थियों ने इन विषयों पर मॉडल प्रस्तुत कर विज्ञान के व्यावहारिक उपयोग को समझाने का प्रयास किया। प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करना रहा। ग्रामीण जीवन, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य और आधुनिक तकनीक से जुड़ी थीम के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिला। निर्णायक मंडल ने सभी मॉडलों का मूल्यांकन कर परिणाम घोषित किए। सातों थीम में तीन-तीन स्थानों के लिए विद्यार्थियों का चयन किया गया। इस तरह कुल 21 स्थानों पर विद्यार्थियों ने उपलब्धि हासिल की। प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों को किताबी पढ़ाई के साथ प्रयोग करने और नए विचारों को सामने रखने का मंच दिया।

विशेष बच्चों ने जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में दिखाया दमखम -सात स्कूलों और संस्थाओं के बच्चों ने लिया हिस्सा

एजेंसी

गुरुग्राम। बौद्धिक एवं बहु-दिव्यांगता वाले बच्चों को खेलों के माध्यम से प्रतिभा दिखाने का अवसर देने के उद्देश्य से शनिवार को जिला स्तरीय विशेष खेल प्रतियोगिता के तीसरे सीजन का आयोजन किया गया। खुशबू संस्था की ओर से डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में सात स्कूलों और गैर-सरकारी संगठनों के बच्चों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। बच्चों ने विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा और खेल भावना का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन टावेंट टेक्नोलॉजीज के एसोसिएट डायरेक्टर धीरज गंभीर, खुशबू संस्था के अध्यक्ष राकेश जिंसी और कार्यकारिणी सदस्य उषा मलिक ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत बोच्चे खेल से हुई। अतिथियों ने



बच्चों का उत्साह बढ़ाया और उनके प्रयासों की सराहना की। प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल, कॉग्निएबल, मुस्कान, राधिका फाउंडेशन, नवोदय स्पेशल स्कूल, आलाप होम और खुशबू संस्था के बच्चों ने भाग लिया। इसमें 25, 50 और 100 मीटर दौड़, सॉफ्टबॉल थ्रो, गोला फेंक, बोच्चे और हैंडबॉल की प्रतियोगिताएं कराई गईं। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ खेलों में हिस्सा लिया। आयोजकों के अनुसार, प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों की शारीरिक फिटनेस के साथ आत्मविश्वास, आपसी मेलजोल और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना था। खेलों के माध्यम से उन्हें अपनी क्षमता प्रदर्शित करने और दूसरे बच्चों के साथ जुड़ने का अवसर मिला। कार्यक्रम के समापन पर पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया और विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

भाजपा नेता से पांच करोड़ की फिरौती मांगने में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। भाजपा नेता जाहिद हुसैन से पांच करोड़ रुपये की फिरौती मांगने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में नूंह पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी मुकीम गांव बाई का रहने वाला है। पुलिस ने उसे चार दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, जाहिद हुसैन को 27 सितंबर की रात उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया था। फोन करने वाले ने खुद को रोहित गोदारा और लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए दो दिन के भीतर पांच करोड़ रुपये देने की मांग की थी। रकम नहीं देने पर भाजपा नेता और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई थी। इसी नंबर से रात करीब 8:23 बजे दोबारा फोन कर जवाब देने का दबाव बनाया गया



था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने सबसे पहले उत्तर प्रदेश निवासी आकाश को गिरफ्तार किया। इसके बाद गांव बाई के फरीद को पकड़ा गया। अब तीसरे आरोपी मुकीम को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, मुकीम पहले गिरफ्तार किए गए आरोपी लतीफ का भाई है। इस मामले में अब तक गिरफ्तार तीन आरोपियों में दो गांव बाई के रहने वाले हैं। भाजपा नेता जाहिद हुसैन भी मूल रूप से इसी गांव के निवासी हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी से पूछताछ कर फिरौती मांगने की साजिश और इसमें शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में अभी कुछ अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी बाकी है। पुलिस पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी सम्मानित

एजेंसी

सोहना। कस्बे के शिव पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें सोहना के भाजपा विधायक तेजपाल तंवर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलों में भी भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। इनसे शरीर स्वस्थ रहने के साथ अनुशासन की भावना भी विकसित होती है। विधायक ने



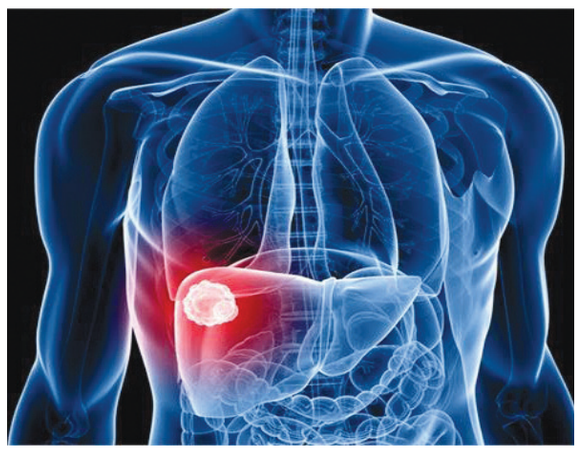
कहा कि सरकार ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनका लाभ खिलाड़ियों को मिल रहा है। स्कूल प्रबंधन की ओर से उनका बुके देकर स्वागत किया गया। प्रतियोगिता की शुरूआत खिलाड़ियों के मार्चपास्ट और मशाल जलाकर की गई। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर स्कूल चेयरमैन मुकेश बंसल, पूर्व पार्षद रवि शंकर सिंगला, अनिल गर्ग, मार्केट कमेटी चेयरमैन दयाराम लोहिया, वाइस चेयरमैन अशोक बंसल और एसीपी मुकेश यादव सहित शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे। एक दर्जन स्पधाओं में दिखाया दमखम- प्रतियोगिता में करीब एक दर्जन स्पधाएं आयोजित की गईं। इनमें दौड़, साइकिल रेस, लॉन्ग जंप और हाई जंप शामिल रहीं। विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लेकर अपनी खेल प्रतिभा दिखाई। विजेता विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगी नकद राशि- कार्यक्रम में स्कूल चेयरमैन मुकेश बंसल ने घोषणा की कि वार्षिक परीक्षा में निर्धारित अंक हासिल करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को नकद राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने प्रतियोगिता के विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

क्यों होती है लिवर में गठान और क्या है इलाज

जब कैंसर लिवर में विकसित होता है, तो यह इसकी कोशिकाओं को नष्ट कर देता है। इसी कारण लिवर सामान्य रूप से कार्य नहीं कर पाता है। लिवर के कैंसर के दो प्रकार होते हैं, जो लिवर की कोशिकाओं में शुरू होता है, उसे प्राथमिक लिवर कैंसर कहते हैं। जबकि जो कहीं और से शुरू होता है और लिवर तक पहुंच जाता है, उन्हें जिगर मेटास्टेसिस या सेकंडरी लिवर कैंसर कहा जाता है। लिवर कैंसर हेपेटाइटिस बी या सी के गंभीर इंफेक्शन के कारण, सिरोसिस, लीवर फैटी होने, अधिक स्मोकिंग या एल्कोहॉल का सेवन या डायबिटीज के कारण होता है। लिवर कैंसर में सर्जरी भी की जाती है और इसमें कैंसर वाले लिवर को हटा दिया जाता है। अगर लिवर में छोटा ट्यूमर है तो इसे काट कर अलग कर दिया जाता है, लेकिन इसमें अधिक खून बहने का खतरा हो सकता है।

लिवर सर्जरी जटिल मानी जाती है क्योंकि दिल से निकलने वाली सभी बड़ी और छोटी धमनियां लिवर के पीछे से निकलती हैं। सर्जरी के दौरान जरा-सी भी असावधानी से लिवर को भारी नुकसान पहुंच सकता है और खून तेजी से निकलना शुरू हो सकता है।

लिवर की गांठ का इलाज



लिवर की गांठ या गठानों को निकालने के लिए सर्जरी बेहतर विकल्प माना जाता है, लेकिन जिन मरीजों को लिवर में कैंसर की गठानों की शुरुआती अवस्था है उन्हें निकालने के लिए सर्जरी विकल्प नहीं है। 70 प्रतिशत लिवर कैंसर के मरीजों के लिए सर्जरी सही विकल्प नहीं है। बढ़ी हुई गठानों को निकालने के लिए सर्जरी और जटिल हो जाती है। गठानों के आसपास की रक्त नलिकाएं भी इसकी चपेट में आ जाती हैं। छोटी गठानें हो तो सर्जरी और भी मुश्किल हो जाती है।

यदि लिवर की गठानों की संख्या ज्यादा नहीं है, आकार भी छोटा हो और कैंसर आसपास के रक्त नलिकाओं तक न फैला हो तो लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी की जा सकती है। हालांकि लिवर ट्रांसप्लांट भी आसान सर्जरी में शामिल नहीं की जाती है। इन परिस्थितियों में माइक्रोवेव एब्लेशन जैसी आधुनिक तकनीक उपलब्ध है। यह न केवल मरीज को राहत देती है बल्कि गठानें निकालने में अनावश्यक चीर-फाड से भी बचा ले जाती है। इसके अलावा रेडियोलॉजिस्ट के पास अन्य आधुनिक सुविधाएं भी मौजूद रहती हैं। इनमें से कोई एक तरीका मरीज के लिए उपयुक्त मानकर इलाज शुरू कर सकता है। कैंसर की गठानों तक पहुंचने के लिए सीटी स्कैनिंग और एमआरआई का सहारा लेते हैं।

डॉ. उमर अफरोज के अनुसार, लिवर कैंसर से बचाव के लिए सबसे जरूरी है नशे से दूर रहना। अपना वजन ठीक रखें। अधिकांश मामलों में मोटापा लिवर कैंसर का कारण बनता है। हेपेटाइटिस बी का टीका लगने से व्यक्ति 90 फीसदी तक सुरक्षित हो जाता है। सुरक्षित यौन संबंध बनाएं। इससे सामान्य लक्षणों जैसे- वजन कम होना, भूख कम लगना, उल्टी होना, पेट की सूजन, मल में सफेदी आना, को पहचाने और समय पर इलाज लें।

घुटनों और कोहनियों पर होने वाली तेज खुजली हो सकती है



जानें इसके कारण, लक्षण और बचाव

पस्टुलर सोरायसिस

पस्टुलर सोरायसिस त्वचा से जुड़ी एक बीमारी है, जो अक्सर 15 से 35 वर्ष की आयु के लोगों को ज्यादा होती है। स्ट्रेस और एक खराब लाइफस्टाइल भी एक कारण है।

पस्टुलर सोरायसिस एक त्वचा की स्थिति है जो लाल, पपड़ीदार त्वचा पैच का कारण बनती है। यह शरीर पर कहीं भी हो सकता है, लेकिन यह अक्सर घुटनों और कोहनी के आसपास पाया जाता है। सोरायसिस किसी को भी किसी भी उम्र में हो सकती है। लेकिन 15 से 35 वर्ष की आयु में लोगों को पस्टुलर सोरायसिस ज्यादा होती है। वहीं 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए यह स्थिति वैसे तो कम है पर जब होती है तो भयानक रूप ले लेती है। इसमें एक बात का ख्याल रखें कि सोरायसिस संक्रामक नहीं है, न ही ये कोई संक्रमण है। ये वास्तव में विभिन्न रूपों में प्रकट हो सकता है। ज्यादातर लोगों को ये छालरोग के रूप में होता है, जो सफेद, गैर-संक्रामक मवाद से भरे छाले (pustules) पैदा करते हैं। आइए जानते हैं इस रोग और इसके लक्षण और इनसे बचने के उपायों के बारे में।

पस्टुलर सोरायसिस क्या है?

पस्टुलर सोरायसिस अन्य प्रकार के छालरोग के संयोजन के साथ हो सकता है, जैसे कि पट्टिका छालरोग यानी कि पस्टुलर सोरायसिस। ये किसी भी विशेष क्षेत्र में हो सकता है जैसे कि हाथ और पैरों में या शरीर के अन्य हिस्सों जैसे जांघ और कमर। लेकिन चेहरे पर ऐसा कम ही देखने को मिलता है। यह आमतौर पर त्वचा के जिस क्षेत्र में होता है, वहां पहले कुछ छोटे-छोटे दाने हो जाते हैं। फिर कुछ ही घंटों के भीतर, नॉनटीनसियस मवाद के बड़े फफोले का भी रूप ले सकते हैं। अंत में ये फफोले भूरे और क्रस्टी बन जाते हैं। उनके छिल जाने के बाद, त्वचा चमकदार या पपड़ीदार दिखाई दे सकती है।

बचाव का तरीका

क्यों होता है पस्टुलर सोरायसिस?

सोरायसिस एक ऑटोइम्यून बीमारी है। ये आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली (इमिन्यून सिस्टम) के कमजोर हो जाने या वाइट ब्लड सेल्स में किसी परेशानी के कारण हो सकती है। वहीं इसके अन्य कारणों में से हैं।

दवाएं, जैसे कि स्टेरॉयड

कुछ ऐसा जो आपकी त्वचा को परेशान करता है, जैसे कि सामयिक क्रीम या कोई खराब मेकअप प्रोडक्ट बहुत अधिक धूप, तनाव, गर्भावस्था, संक्रमण, हार्मोन।

बैक्टीरियल इंफेक्शन दो विशिष्ट जीन में से एक जीन में म्यूटेशनों जो इसे ट्रिगर करता है से एक भड़कना बंद कर सकता है।

पस्टुलर सोरायसिस के प्रकार-

वहीं पुस्टुलर सोरायसिस प्रकार का बात करें तो ये तीन प्रकार के होते हैं, जिसके आधार पर छाले होने की गति तेज या धीमी हो जाती है।

पामोप्लांटार पस्टुलोसिस (पीपीपी)- इसमें शरीर के छोटे क्षेत्रों पर फफोले बन जाते हैं, आमतौर पर हथेलियां या पैरों के तलवे पर। मवाद से भरे ये धब्बे भूरे रंग के हो सकते हैं, छील सकते हैं या ऊपर से पपड़ी हो सकती है।

एकरो सोरायसिस- ये छोटे, बहुत दर्दनाक घाव उंगलियों या पैर की उंगलियों पर पॉप अप होते हैं। दर्द आपकी उंगलियों या पैर की उंगलियों का उपयोग करना कठिन बना सकता है।

सामान्य सोरायसिस- ये लाल और दर्दनाक त्वचा के धब्बे शरीर के एक विस्तृत क्षेत्र पर दिखाई देते हैं और मवाद से भरे छाले के रूप में खत्म हो जाते हैं। जैसे बुखार, ठंड लगना, निर्जलीकरण, मतली, कमजोर मांसपेशियों, सिरदर्द, जोड़ों में दर्द, एक तेज नाड़ी या वजन कम हो सकता है।

त्वचा ही नहीं, मुंह में भी होता है सोरायसिस, जानिए इसके बारे में

पस्टुलर सोरायसिस का इलाज - पस्टुलर सोरायसिस के इलाज की बात करें, तो इसमें पहले तो इसके कारणों को ध्यान में रख कर उन्हें करने से रोकना होगा। जैसे धूम्रपान बंद करें। - घावों के इलाज के लिए सबसे पहले एक स्टेरॉयड क्रीम का इस्तेमाल करें। कोयला टार या सैलिसिलिक एसिड क्रीम त्वचा में मदद कर सकता है। -आप लोशन लगा सकते हैं। -सूती कपड़े पहनें। -पीपीपी और एक्रोपेस्टुलोसिस का प्रकोप जिद्दी हो सकता है, इसलिए इसमें अपने डॉक्टर की मदद लें। - वहीं सूजन वाली त्वचा पर यूवा रेज से बच कर रहें। - इलाज में कुछ दवाइयां शामिल हैं जैसे- कोर्टिकोस्टीराइडस, रेटिनोइड, एंथ्रालीन, विटामिन डी, सेलसिलिक एसिड आदि।

गोरा होने की चाहत न कर दे चेहरा खराब

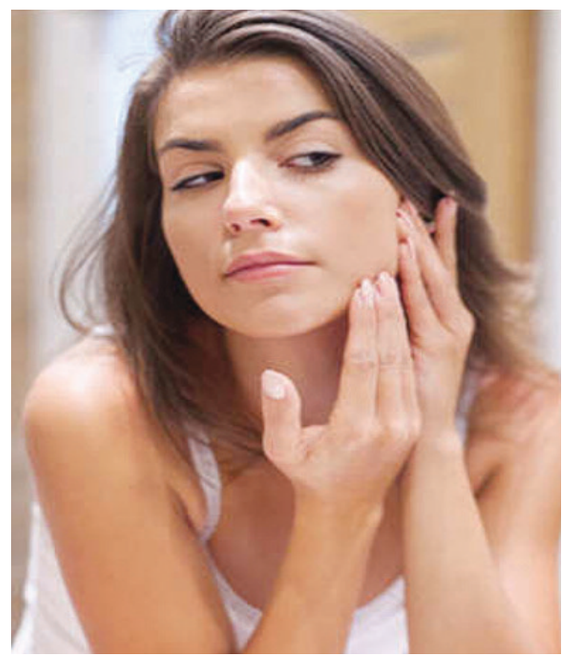
'आयुर्वेदिक' स्किन क्रीम में मिला स्टेरॉयड

महिलाओं को गोरा बनाने का दावा करने वाली आयुर्वेदिक स्किन क्रीम में खतरनाक स्तर का स्टेरॉइड मिला है। खास बात यह है कि इस क्रीम के पैकेट पर बड़े अक्षरों में सरकारी शोध संस्था सीएसआईआर-नीस्ट की ओर से विकसित किए जाने की बात लिखी है।

कई मरीजों में परेशानी सामने आने के बाद हैदराबाद की त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉक्टर रजिता दामिसेट्टी ने क्रीम को लेकर सीएसआईआर में शिकायत दर्ज कराई है।

डॉ. रजिता ने कहा है कि 'एक कंपनी की ओर से बेची जा रही 'डॉ. गोरी-गोरी' नाम की क्रीम लगाने से लोगों को हुई परेशानी के बाद मैंने इसमें स्टेरॉइड की मौजूदगी की जांच कराई। जांच में क्रीम में 0.056 फीसदी बेथामेथासोन वालेरेट नाम का स्टेरॉइड मिला होने की पुष्टि हुई है।

शिकायत के मुताबिक क्रीम को आयुर्वेदिक बताकर बेचा जा रहा है, जबकि तथाकथित आयुर्वेदिक उत्पाद में इतनी मात्रा में सिंथेटिक स्टेरॉइड की मौजूदगी उसे खतरनाक बना देती है। खासकर तब जब उसे चेहरे जैसी संवेदनशील जगह पर लगाया जाता है। इतना ही नहीं, इसका नाम गोरी-गोरी ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट के अनुसूची जे के नियम 106 का उल्लंघन है। शिकायत में आगे कहा गया है कि स्टेरॉइड एक शेड्यूल एच की दवा है, जिसे बिना वैध पर्चे के नहीं दिया जा सकता। इन बातों को ध्यान में रखते हुए जरूरी कदम उठाए जाएं। डॉ. रजिता ने कहा कि यदि मेरी बात पर यकीन नहीं है तो सीएसआईआर खुद इस क्रीम की जांच करा ले। इस तरह स्टेरॉइड युक्त क्रीम को बेचना अपराध है। इससे सीएसआईआर जैसी संस्था का नाम भी खराब हो रहा है।



नोट चिकित्सीय मामलों में स्टेरॉइड किसी खास जगह पर इस्तेमाल किया जाता है। इस दौरान पूरी निगरानी रखी जाती है। स्किन क्रीम में इसे डालना खतरनाक है। यही नहीं, आयुर्वेद के नाम पर क्रीम को बेचना तो सरासर धोखाधड़ी है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो मा मी मू धा फा ढा भे)

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

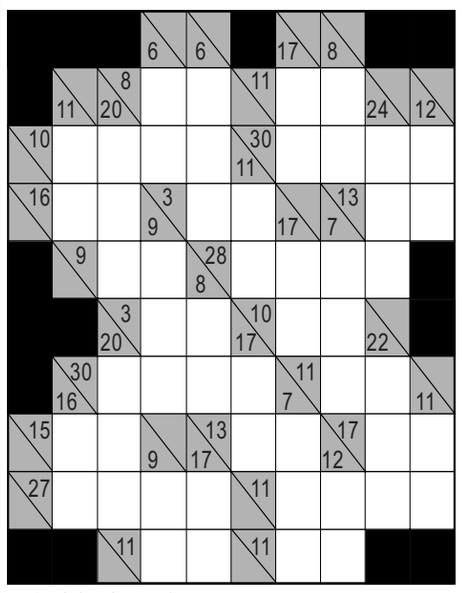
कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

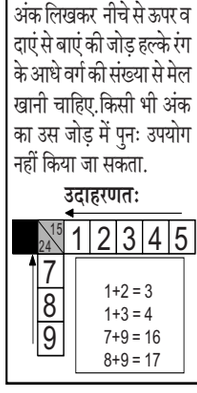
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 4076



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 4075 का हल

■	■	■	30 17	■	■	7 11	■	■
■	16 8 7	9	■	11 10 2	9	24	■	■
15	1	6	8	14 24 3	1	2	8	17
11	2	9	12 19 7	1	4	16 18 7	9	■
35	5	8	7	9	6	24 6 7	9	8
■	3	17 8 9	8	11 8 2	9	10	17	■
6	2	1	3	15 6 4	1	2	3	5
4	1	3	6 3 2	1	3	11 11 2	9	■
■	10	4	2	1	3	6	2	1
■	■	4	1	3	■	13	9	4

हंसी के फव्वारें

एक व्यक्ति ने कहा, 'आज इंसानियत है कहाँ?'

दूसरा व्यक्ति झट से बोला, 'क्यों आपके घर में 'शब्दकोश' नहीं हैं.

□ □ □

आप चार बार तलाक देने के बाद पाँचवीं बार विवाह करने क्यों जा रहे हैं? पहले व्यक्ति ने पूछा.

'क्यों, क्या पाँचों अंगुलियाँ बराबर होती हैं?' दूसरे व्यक्ति ने कहा.

□ □ □

पत्नी-'आप नींद में बहुत बोलते हैं.'

पति-'तो क्या तुम चाहती हो कि मैं नींद में भी तुम्हारी ही सुनता रहूँ.'

□ □ □

रमेश बहुत शर्मीला था.

एक दिन पार्टी में उसने अपनी प्रेमिका को फूलों का एक गुलदस्ता भेंट किया. प्रेमिका एकदम से भाव-विभोर होते हुए उससे लिपट गई और उसने उसका चुम्बन ले लिया.

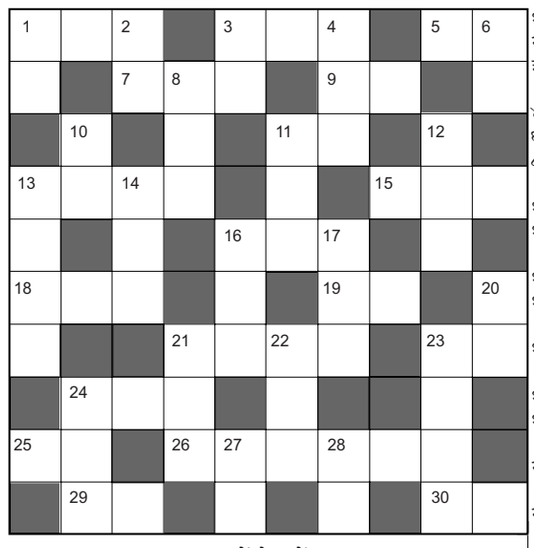
रमेश झेंपकर हॉल से बाहर जाने लगा. इस पर उसकी प्रेमिका ने डरते हुए पूछा-''नाखुश हो गए?''

''नहीं.''

रमेश जल्दी से बोला-''नाखुश होने की कोई बात नहीं है. मैं और फूल लेने जा रहा हूं.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4076



बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरू दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेरॉय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्फा की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4075

खा	मो	शी	■	आ	प	की	क	स	म
की	■	शा	दी	■	ड़ो	■	भी	■	स्त
■	आ	■	वा	प	स	■	ना	■	■
प	ह	चा	न	■	न	या	क	द	म
रा	■	■	गी	ता	■	■	भी	■	ड
या	रा	ना	■	ज	मा	ना	■	स	र
ध	■	य	ति	म	■	■	रा	नी	■
न	म	क	■	ह	म	रा	ज	■	फ
■	र्या	■	■	ल	■	जे	■	■	रा
अ	दा	ल	त	■	इं	द्र	कु	मा	र

सूडोकु - 4076

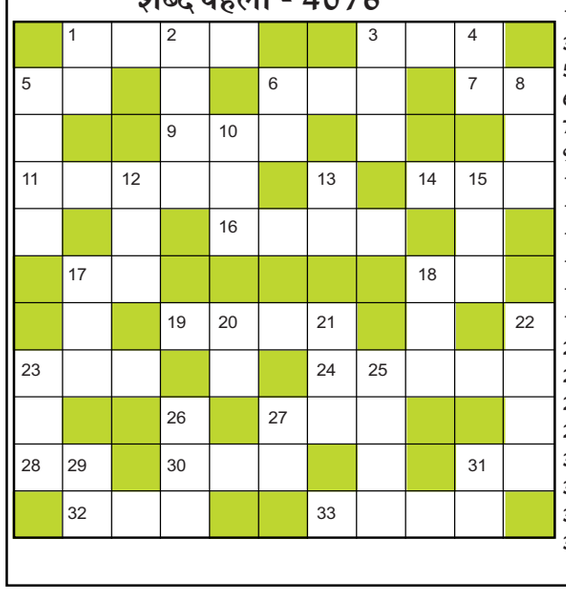
9	6	2		4	1	7		
1	4	8				6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6				3	8	7
		9	1	8		2	6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4075 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 4076



बाएँ से दाएँ

1. मूर्ख,बुद्धिहीन-4
3. रुई की फसल-3
5. वंश,खानदान-2
6. आह,पीड़ा भरी ध्वनि-3
7. जी,इच्छा,चित्त-2
9. पहनना-3
11. दास,नौकर,सेवक-5
14. अग्नि,आग-3
16. चयनित,स्वीकृत-4
17. जाति,संप्रदाय-2
18. उस समय-2
19. आदत,व्यवहार-4
23. माला का मोती-3
24. लालन-पालन-5
27. पूर्णिमा-3
28. वश,अधीन-2
30. खबर देने वाला-3
31. खदान,माइन-2
32. आश्रय,पनाह-3
33. संपत्ति-4

ऊपर से नीचे

1. घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2. धारा के बीच में,अधर में-2,2
3. आफत,आपदा-3
4. एक समान-2
5. गृहपति,चांसलर-4
6. दाना-2
8. प्रतिकृति,प्रतिरूप-3
10. रोकर धनराशि-3
12. प्रेम ,आसक्ति-3
13. नीर,जल-2
15. भाग्य,तकदीर-3
17. जंबुल,जांब-3
18. टेंशन,परेशानी-3
20. काया,बदन-2
21. उष्णता-3
22. नाश होने योग्य-4
23. साम्राज्ञी,रानी-3
25. रमण करने योग्य-4
26. अदा,चोंचला-3
27. पूड़ी,गोलगप्पा-2
29. पिता की बहन-2
31. उर्वरक,गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली -4075 का हल

■	श	म	शा	न	■	म	ति	में	द
क	■	■	य	■	वी	■	र	■	शै
र	■	प	र	व	र	दि	गा	र	ता
ता	ड़	ना	■	■	वा	■	■	ज	वा	न
र	■	ह	■	प	र	दा	■	त	री	■
■	नी	■	गै	र	■	म	जा	■	स	■
■	र	वि	■	म	न	न	■	स	■	आ
ग	ज	रा	■	■	फा	■	■	ह	की	म
र	■	म	ह	सू	स	क	र	ना	■	द
म	■	■	■	रा	■	त	■	खै	■	■	नी
■	सो	म	ना	थ	■	य	ल	गा	र	■



टाइप कास्टिंग तोड़ना हम एक्टर्स के हाथ नहीं

हिंदी सिनेमा में निरूपा राय, रीमा लागू, फरीदा जलाल जैसी अदाकाराओं ने मां की भूमिका को पर्दे पर अमर बनाया है। इसी कड़ी में अब ऐक्ट्रेस आयशा रजा मिश्रा भी बॉलिवुड की चहेती मां बन चुकी हैं। वीरे दी वेडिंग, तू झूठी मैं मक्कार, गुंजन सक्सेना : द कारगिल गर्ल, सोनू की टीटू की स्वीटी जैसी कई चर्चित फिल्मों में मां की यादगार भूमिका निभाने वाली आयशा रजा इन दिनों अपनी फैमिली फिल्म मीठे में क्या है में भी मम्मी अमृता के किरदार के लिए चर्चा में हैं। हालांकि, प्रतिभावान ऐक्ट्रेस होने के बावजूद लगातार मां के रूप में टाइपकास्ट होने पर वह कहती हैं, 'ये टाइप कास्टिंग तोड़ना हम ऐक्टर्स के हाथ में नहीं है। इसके लिए किसी डायरेक्टर को आप पर भरोसा जताकर वो अलग किरदार देना पड़ेगा।'

काम को लेकर नाशुक्रा नहीं होना चाहिए

बकौल आयशा रजा मिश्रा, 'मैं अक्सर मनोज भाई (मनोज पाहवा) का उदाहरण देती हूं, क्योंकि उनको भी बहुत समय तक पंजाबी, कॉमिडी अंकल वाले रोल में टाइपकास्ट किया गया। हम साथ में कई फिल्में करते हैं तो हम यही रोते रहते हैं कि मैं पंजाबी मम्मी, वो पंजाबी पापा। हम आपस में यह बहुत डिस्कस करते हैं। फिर अनुभव सिन्हा जैसे डायरेक्टर फिल्म मुल्क में मनोज पाहवा को ऐसे रोल में लेते हैं कि सारे प्रड्यूसर कहते हैं कि वह बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं। ऑडियंस उन्हें इस रोल में एक्सेप्ट ही नहीं करेगी, क्योंकि लोगों की नजर में वह कमीडियन हैं, मगर अनुभव सिन्हा ने कहा कि मैं जानता हूं कि मनोज कितना कमाल का अभिनेता है और मेरे लिए वह क्या कर सकता है। वही हुआ, लेकिन आपको वह एक डायरेक्टर चाहिए जिसमें वो विजन हो और जो आप पर वह भरोसा जताए।'

स्टेज पर भड़ास निकालेंगे

उन्होंने आगे कहा, 'इसके बावजूद, मैंने अपने पति (ऐक्टर कुमुद मिश्रा) से सीखा है कि आपको कभी भी नाशुक्रा नहीं होना चाहिए। हम कम से कम काम कर रहे हैं, जबकि हमसे कहीं ज्यादा टैलंटेड ऐक्टर्स सिर्फ एक मौके का इंतजार कर रहे हैं। हमें कम से कम इतने मौके मिल रहे है तो उसे सर्वश्रेष्ठ ढंग से निभाइए। उसे एंजॉय कीजिए और उसी में कुछ नया करने की कोशिश कीजिए। बाकी तकदीर अच्छी रही तो अलग रोल भी मिलेंगे और अगर नहीं मिले तो हमारे पास स्टेज है। हम वहां अपनी भड़ास निकालेंगे। मगर हम उस स्थिति में हैं कि हमें काम मिल रहा है, वो भी एक आशीर्वाद है। आप किलसकर, दुखी होकर काम नहीं कर पाएंगे।'

घर की मजबूत औरतों का रहा प्रभाव

आयशा रजा जोहरा सहगल और उजरा बट जैसी दिग्गज अदाकाराओं की नवासी हैं। इन सशक्त महिलाओं का उन पर कितना प्रभाव रहा? यह पूछने पर वह कहती हैं, 'बहुत प्रभाव पड़ा। मेरी नानी और दादी दोनों कामकाजी थीं। मेरी दादी बीबीसी उर्दू सर्विस की दुनिया की पहली महिला न्यूज रीडर थीं। मेरी नानी हाजरा बेगम एक स्वतंत्रता सेनानी थीं। प्रगतिशील लेखक संघ की सदस्या थीं। मेरे घर में कृशन चंदर, कैफी आजमी अक्सर आया करते थे तो मैं वो देखकर बड़ी हुई हूं। मेरी नानी की दो बहनें थीं, जोहरा सहगल और उजरा बट, जो पर्दा करने वाले परिवारों से थीं।'

रूढ़िवादी परिवार से निकलकर रास्ता बनाया

उन्होंने कहा, 'उस रूढ़िवादी परिवार से निकलकर उन्होंने कहा कि हमें डांसर बनना है। हमें ऐक्टिंग करनी है। हम थिएटर करना चाहते हैं। फिर जोहरा ने अपने पिता से कहा कि मुझे एक हिंदू लड़के से शादी करनी है जो मुझसे 8 साल छोटा है। सन 1930 में इस बात के लिए राजी होना बड़ी बात थी। फिर मेरी मां ने अपनी मौसी लोगों को देखकर थिएटर किया, ऐक्टर बनी, तो मेरे लिए तो सारे रास्ते पहले से खुले हुए थे। सच कहूं तो मुझे लगता है कि मैं इतना कुछ नहीं कर पाई हूं क्योंकि उन लोगों ने मेरे लिए सारे दरवाजे रख दिए थे तो मेरे लिए ज्यादा मसला है कि मैं अपने लिए नई चुनौतियां ढूंढूं। अपने को एक्सप्लोर कर पाऊं, तो उनकी ये विरासत मेरे लिए बहुत अहम है।'



'ईठा' के गाने 'जी जी रे जी' के लिए श्रद्धा कपूर ने पारंपरिक डांस फॉर्म लावणी सीखा

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर अपनी आने वाली फिल्म 'ईठा' के गाने 'जी जी रे जी' में लावणी करती नजर आएंगी। इस गाने के लिए उन्होंने महाराष्ट्र के पारंपरिक डांस फॉर्म लावणी को सीखा और उसकी बारीकियों को समझने की कोशिश की। श्रद्धा ने इसे अपने लिए बेहद रोमांचक अनुभव बताया। उनका कहना है कि लावणी की लय, हाव-भाव और ऊर्जा ऐसी है, जो सीधे दर्शकों से जुड़ती है, हालांकि इस गाने के जरिए एक दिग्गज कलाकार की दुनिया में कदम रखना उनके लिए जितना खास था, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी रहा। श्रद्धा कपूर ने गाने को लेकर कहा, ''ईठा के किरदार में 'जी जी रे जी' पर परफॉर्म करना मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा। लावणी में कुछ ऐसा है, जो आपको तुरंत अपनी ओर खींच लेता है। इसकी लय, हाव-भाव, ऊर्जा और दर्शकों से जुड़ने का अंदाज बहुत खास है। मुझे इस गाने के जरिए एक महान कलाकार की दुनिया में कदम रखना बहुत अच्छा लगा, लेकिन इसे लेकर मन में डर भी था।'' उन्होंने कहा, ''इस गाने के पीछे एक बहुत खास कहानी है, जो उस महान कलाकार की जिंदगी में एक बड़ा मोड़ लेकर आती है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस गाने के जरिए उस कहानी को पर्दे पर उतारने के लिए की गई हमारी मेहनत को महसूस कर पाएंगे।''

फिल्म के म्यूजिक को तैयार करने वाले मशहूर संगीतकार जोड़ी अजय-अतुल ने बताया कि 'ईठा' जैसी फिल्म में संगीत सिर्फ बैकग्राउंड तक सीमित नहीं रह सकता। उसे किरदारों, कहानी की दुनिया और भावनाओं का हिस्सा बनना जरूरी है। 'जी जी रे जी' फिल्म 'ईठा' का पहला गाना है, जिसके जरिए दर्शकों को फिल्म की रंगीन और संगीतमय दुनिया की पहली झलक देखने को मिलेगी। इस गाने को राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीतकार जोड़ी अजय-अतुल ने कंपोज और प्रोड्यूस किया है।



मुरैमामन विवाद पर कीर्ति सुरेश ने दी सफाई

अभिनेत्री कीर्ति सुरेश आगामी तमिल कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'सत्यवान सावित्री' में युवा वकील की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने सीरीज 'अक्का' के प्रमोशन के दौरान राधिका आप्टे द्वारा दक्षिण भारत में प्रचलित मुरैमामन प्रथा को लेकर दिए गए बयान पर सफाई दी। दरअसल, नेटफ्लिक्स सीरीज 'अक्का' के प्रमोशन के दौरान अभिनेत्री राधिका आप्टे ने कीर्ति सुरेश के साथ एक इंटरव्यू में एक तेलुगु फिल्म का अनुभव शेयर किया था, जिसमें उन्होंने फिल्म के अनुभव को अपने करियर का सबसे मुश्किल किरदार बताया, जिसमें उनके किरदार को अपने मामा से शादी करनी थी। उन्होंने कहा कि उन्हें उस अनुभव की हर बात नापसंद थी और एक पितृसत्तात्मक माहौल में अपने से काफी बड़े अभिनेता के साथ रोमांस करना उनके लिए सबसे कठिन रहा। प्री-रिलीज इवेंट में कीर्ति सुरेश से पूछा गया था कि वो खुद को किस फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा मानती हैं क्योंकि उन्होंने तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में काम किया है। एक्ट्रेस ने जैसे ही साफ किया कि वो खुद को एक साउथ एक्ट्रेस मानती हैं, कीर्ति सुरेश का ध्यान हाल ही में एक्ट्रेस राधिका आप्टे के साथ दिए गए उनके एक जॉइंट इंटरव्यू की तरफ दिलाया गया, जिसमें राधिका के एक सवाल के जवाब में दक्षिण भारत में प्रचलित मुरैमामन संस्कृति (चाचा द्वारा अपनी भतीजी से शादी करने की प्रथा) का जिक्र किया गया था। सोशल मीडिया पर तेलुगु और तमिल सिनेमा के फैंस ने इस जवाब की आलोचना की थी क्योंकि कई लोगों को लगा था कि इसका लहजा नीचा दिखाने वाला था। कीर्ति सुरेश से पूछा गया कि जब वे खुद को साउथ सिनेमा की एक्ट्रेस मानती हैं, तो उन्होंने चीजों को सही तरीके से समझाने के लिए आगे आकर कदम क्यों नहीं उठाया, जिसके बाद अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि शुरुआत में उन्हें समझ नहीं आया था कि राधिका आप्टे फिल्म में मामा से शादी करने की बात किस संदर्भ में कह रही हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें बाद में अहसास हुआ कि राधिका एक सांस्कृतिक परंपरा का जिक्र कर रही हैं। कीर्ति सुरेश ने कहा, 'सच कहूं तो शुरुआत में मुझे समझ ही नहीं आया कि वो क्या कह रही हैं और फिर मुझे समझ आया कि वो हमारी संस्कृति के बारे में बात कर रही हैं। जैसे ही मुझे एहसास हुआ कि उन्हें इस संस्कृति के बारे में पता नहीं है, मैंने समझाने की कोशिश की कि ये दक्षिण भारत की एक संस्कृति है।' इवेंट के दौरान जब एक्ट्रेस को उनके इस जवाब के बारे में बताया गया कि ये प्रथा सिर्फ तमिल और तेलुगु में है लेकिन मलयालम में नहीं, तो उन्होंने कहा, 'हां, मैंने ऐसा कहा था। मैं संस्कृति की बात कर रही थी क्योंकि वो संस्कृति केरल में नहीं है। पूरे सम्मान के साथ क्योंकि मैं वहां की संस्कृति को कभी नीचा नहीं दिखाऊंगी।'

उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें ये साबित नहीं कर सकती कि ये एक परंपरा है और आप इसके बारे में बात नहीं कर सकते। इसलिए मैंने उन्हें समझाने की कोशिश की, ये कहते हुए कि ऐसा तमिलनाडु और आंध्र में होता है।



मैसा में दिखेगी पिता और बेटी के रिश्ते की दिल छू लेने वाली कहानी

मैसा में रश्मिका मंदाना बिल्कुल नए और पहले कभी नहीं देखे गए अंदाज में नजर आएंगी। यह भारत की पहली महिला-केंद्रित पैन-इंडिया फिल्मों में से एक है, जिसमें जबरदस्त एक्शन के साथ पिता और बेटी के रिश्ते की दिल छू लेने वाली कहानी भी देखने को मिलेगी। यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म के हाल ही में रिलीज हुए टीजर को देश भर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। दर्शकों से लेकर आलोचकों तक से फिल्म ने अपनी रॉ एनर्जी, ग्रैंड स्केल और इंटेंस एटमॉस्फियर के लिए खूब तारीफ अपने नाम की है। सबसे ज्यादा खास बात यह है कि इस चीज ने मैसा को एक अनोखे सिनेमैटिक कहानी में स्थापित कर दिया है। बहुत सी भारतीय फिल्म मास एक्शन ड्रामा की कहानी में मजबूत मां और बेटे के रिश्ते को दिखाती हैं, जैसे बाहुबली और चत्रस्र, लेकिन मैसा इससे अलग है क्योंकि इसमें मेकर्स नए और एक मजबूत भावनात्मक पक्ष को पेश करने वाले हैं।

दरअसल, फिल्म में आदिवासी भूमि की पृष्ठभूमि पर बाप और बेटी के बीच की मजबूत जोड़ी देखने मिलने वाली है। मैसा की रिलीज में अब सिर्फ 9 दिन बचे हैं, ऐसे में इसे देखने को लेकर हर तरफ उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच चुका है। उत्साह के सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए, मेकर्स ने एक नया पोस्टर रिलीज किया है जिसमें फिल्म की दुनिया की झलक देखी जा सकती है। फिल्म के गहरे इमोशंस को खुद में कैद करने वाले पोस्टर को शेयर करते हुए टीम ने लिखा है: बड़े पर्दे पर बाप और बेटी के खूबसूरत रिश्ते और उनके इमोशन्स को देखने के लिए अब सिर्फ 9 दिन बाकी हैं। मैसा 27 नवंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज।

नए पोस्टर ने फिल्म के लिए सही टोन सेट कर दिया है। जबसे, फिल्म का टीजर रिलीज़ हुआ है, तब से देश भर में मौजूद दर्शक इसकी चर्चा करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। बहुत सी भारतीय फिल्म मास एक्शन ड्रामा की कहानी में मजबूत मां और बेटे के रिश्ते को दिखाती हैं, जैसे बाहुबली और चत्रस्र, लेकिन मैसा इससे अलग है क्योंकि इसमें मेकर्स नए और एक मजबूत भावनात्मक पक्ष को पेश करने वाले हैं। दरअसल, फिल्म में आदिवासी भूमि की पृष्ठभूमि पर बाप और बेटी के बीच की मजबूत जोड़ी देखने मिलने वाली है।

मनोज बाजपेयी स्टारर सुधीर मिश्रा और अनुभव सिन्हा की फिल्म की पूरी हुई शूटिंग

मुंबई अनुभव सिन्हा के प्रोडक्शन में बनारस मीडिया वर्क्स के बैनर तले बनी यह मच अवेटेड फिल्म भारतीय इतिहास के कम जानें जाने वाले 21 दिनों की कहानी दिखाएगी। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और इसके साथ ही फिल्म ने एक बड़ा पड़ाव भी पार कर लिया है। सुधीर मिश्रा द्वारा डायरेक्टेड और अनुभव सिन्हा द्वारा प्रोड्यूस फीचर फिल्म की जबसे घोषणा हुई है, तब से प्रोजेक्ट के इर्दगिर्द दर्शकों का उत्साह बढ़ता हुआ देखने मिल रहा है। यह कहानी भारत की आजादी के पहले की है, उन 21 दिनों की जिसके बारे में शायद ही कोई जानता है। फिल्म में महात्मा गांधी का किरदार नेशनल अवॉर्ड विनर मनोज बाजपेयी पहली बार निभाते नजर आने वाले हैं। अब जब फैंस बेसब्री से बापू के किरदार में एक्टर को देखने का इंतजार कर रहे हैं, ऐसे में उनकी एक तस्वीर ऑनलाइन लीक हुई है।



स्टार्टअप की दुनिया और फिल्म इंडस्ट्री में काफी समानता



अभिनेता अमित साध ने फिल्मों में काम करते हुए कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। कभी किसी फिल्म ने उन्हें नई पहचान दी, तो कभी किसी प्रोजेक्ट से उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं मिले। अब वह बिजनेस रियलिटी शो 'कल के करोड़पति - शुभ लाभ' से जुड़े हैं। उनका मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री और स्टार्टअप की दुनिया भले ही अलग-अलग हों, लेकिन दोनों में मेहनत, जोखिम और अनिश्चितता काफी हद तक एक जैसी है। यहां भी लोग सालों तक अपने सपने पर काम करते हैं और फिर एक ऐसे मौके का इंतजार करते हैं, जो उनकी जिंदगी बदल सकता है। अमित साध इस शो में होस्ट और मेंटर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। शो से जुड़ने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि यहां उन्हें स्टार्टअप फाउंडर्स, निवेशकों और उद्यमियों से सीधे मिलने और उनकी जिंदगी को करीब से समझने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि इन लोगों की कहानियां सुनकर उन्हें इंडस्ट्री में अपने सफर की याद आई।

अमित ने कहा, ''इस शो के लिए मुझसे प्रणव ने संपर्क किया था। वह चाहते थे कि मैं सिर्फ एक होस्ट बनकर शो का हिस्सा न बनूं, बल्कि अपने निजी सिद्धांतों और जीवन में अपनाए गए मूल्यों को भी इसमें लेकर आऊं। मुझे यह विचार पसंद आया और मैंने इस प्रोजेक्ट से जुड़ने का फैसला किया।'' शो के अनुभव को लेकर अमित ने कहा, ''मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा। स्टार्टअप फाउंडर्स, निवेशकों और उद्यमियों के साथ बातचीत के दौरान मुझे उनकी जिंदगी की कहानियों, संघर्ष और चुनौतियों को करीब से महसूस करने का मौका मिला। मैंने फिल्म इंडस्ट्री और स्टार्टअप की दुनिया, दोनों को एक ही नजर से देखा, क्योंकि दोनों जगह बहुत कुछ हिट और मिस पर निर्भर करता है। एक फिल्म आपको ऊपर उठा देती है, तो दूसरी आपको तोड़ भी सकती है।''

अभिनेता ने आगे कहा, ''स्टार्टअप फाउंडर्स को अपने आइडिया निवेशकों के सामने पेश करते देखकर मुझे उनके पीछे की मेहनत का अंदाजा हुआ। किसी बिजनेस आइडिया को एक प्रेजेंटेशन में समझाना आसान नहीं होता। उसके पीछे कई सालों की तैयारी, मेहनत और उम्मीदें जुड़ी होती हैं। जब मैंने इन लोगों को अपने काम के बारे में बताते देखा, तो मुझे लगा कि यह भी उनकी अपनी जिंदगी की कहानी है। जिस तरह एक अभिनेता किसी फिल्म के लिए लंबे समय तक मेहनत करता है, उसी तरह एक उद्यमी भी अपने आइडिया को हकीकत में बदलने के लिए लगातार कोशिश करता है।'' अमित ने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि 'कल के करोड़पति - शुभ लाभ' देशभर के दर्शकों से जुड़ पाएंगे। इस शो में सिर्फ बिजनेस और निवेश की बातें नहीं हैं, बल्कि इसमें लोगों के सपने, भावनाएं और सफलता पाने के लिए किए गए संघर्ष भी देखने को मिलेंगे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।